



विश्व के सरी

सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल शुभमन गिल और शेफाली वर्मा ने पुरुष और महिला वर्ग ... @ विचार विरोधामासी चरित्र से अमेरिका पर भरोसा कटघरे में... @ व्यापार सेंसेक्स 1,109 अंक चढ़ा...

ममता बनर्जी पर जानलेवा हमला



महिला ने ममता बनर्जी के पास पहुंचने के लिए क्या किया ?

तृणमूल कांग्रेस के ममता बनर्जी गुट के आरोपों के मुताबिक, महिला कालीघाट स्थित आवास के बाहर पहुंची थी। आरोप है कि उसने ममता बनर्जी की साड़ी खींची और उसके पास से चाकू भी मिला। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार, घटना शाम करीब छह बजे हुई। महिला ने ममता बनर्जी को 'पिशी' यानी बुआ कहकर संबोधित किया और उनकी ओर दौड़ पड़ी। आरोप है कि उसने ममता बनर्जी की तरफ झपटने की कोशिश की। इसके बाद वह सड़क पर लेंट गई और गाली-गलौज करने लगी। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में यह स्पष्ट नहीं है कि महिला ने वास्तव में चाकू से हमला किया या किसी को चोट पहुंची।

आरोप है कि ममता बनर्जी के साथ मौजूद पार्टी कार्यकर्ताओं ने महिला को पकड़ लिया। उसे जमीन पर दबाकर रोका गया और पूछताछ के बाद कालीघाट पुलिस को सौंप दिया गया। टीएमसी के राष्ट्रीय प्रवक्ता साकेत गोखले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट कर दावा किया कि महिला नशे की हालत में थी। गोखले ने सवाल उठाया कि जब Z+ सुरक्षा प्राप्त और तीन बार मुख्यमंत्री रह चुकीं ममता बनर्जी अपने घर पर सुरक्षित नहीं हैं, तो राज्य में सुरक्षा व्यवस्था कैसी है।

लोकतंत्र की बहाली हमारा लक्ष्य: राहुल

पीएम मोदी की वोट चोरी की योजना को उजागर करने के लिए तैयार- खरगो

एजेंसी ■ नई दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राहुल गांधी के आवास पर इंडिया ब्लॉक की बैठक के बाद कहा कि विपक्ष का प्रदर्शन सफल रहा है और दिल्ली में पहली बार बड़ी संख्या में लोग जुटे। वहीं आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मोदी-शाह के इशारे पर सीईसी ने लोकतंत्र को कुचलने की कोशिश की।

वहीं, राहुल गांधी ने कहा, 'हम यहां एकजुट होकर खड़े हैं। यह अलग-अलग नहीं, एक ही आंदोलन है। यह लोकतंत्र को फिर से बहाल करने वाला आंदोलन है। ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा ही हमारा लक्ष्य है। इस देश में लोकतंत्र और चुनाव प्रक्रिया को बर्बाद कर दिया गया है।'

राहुल गांधी ने साधा मोदी-शाह और ज्ञानेश कुमार पर निशाना, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, 'जिन लोगों ने ऐसा किया है,



जिनमें इसके मुख्य सूत्रधार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इसे लागू करने वाले अमित शाह, ज्ञानेश कुमार और अन्य लोग शामिल हैं, उन्हें समझना चाहिए कि अब उनके चारों ओर घेरा कसता जा रहा है। ऐसा नहीं हो सकता कि आप भारतीय संविधान को नष्ट कर दें और बचकर निकल जाएं। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, लोकतंत्र में अपनी बात रखने का एकमात्र माध्यम जंतर-मंतर था

पूरी गंभीरता और समर्पण के साथ उठाया। इतनी बड़ी संख्या में लोग बहुत कम ही जुटते हैं। दिल्ली में यह पहली बार है, जब युवा और आम नागरिक पूरी तरह अपनी पहल पर एकजुट होकर सामने आए हैं। आपने यह सब देखा है, इसलिए मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता। अब हर कोई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वोट चोरी की योजना को पूरी तरह उजागर करने के लिए तैयार है।

तेजस्वी यादव बोले- मोदी-शाह के इशारे पर सीईसी ने लोकतंत्र को कुचलने की कोशिश की आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर ज्ञानेश कुमार ने लोकतंत्र को कुचलने का प्रयास किया है।

हम सभी लोकतंत्र को बचाने के लिए एकजुट हैं। इसके लिए जो कुर्बानी देनी होगी हम सभी देंगे। यह गांधी जी, लोहिया जी, भगत सिंह का देश है।

खबर झरोखा

केन्द्रीय मंत्री एल मुरुगन का इस्तीफा



चेन्नई। केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उन्हें मंत्री पद से मुक्त करने और राज्यसभा की सदस्यता छोड़ने की अनुमति देने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि वह 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मजबूत करने के लिए पूरी तरह से संगठनात्मक कार्यों में जुटना चाहते हैं।

ईरान की मदद पर ट्रंप की चीन-रूस को चेतावनी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वामपंथी लोगों की टिप्पणियों की आड़ में चीन और रूस को चेतावनी जारी की। वामपंथियों की टिप्पणियों में ईरान की मदद के आरोप में ट्रंप ने चेताया कि अगर चीन और रूस ऐसा कर रहे होते तो हमें पता चल ही जाता, लेकिन वो ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि उनके पास खोने के लिए बहुत कुछ है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पोस्ट में लिखा, मैं कट्टर वामपंथी लोगों और कुछ अति-उत्साही टिप्पणियों को देखकर हैरान हूं।

एजेंसी ■ नई दिल्ली

लद्दाख के 28 स्थलों को भारतीय नक्शों में शामिल करने पर चीन की आपत्ति का भारत ने करारा जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने साफ कहा है कि केंद्र शासित प्रदेश भारत का अभिन्न और अटूट

हिस्सा है और चीन के इनकार से यह सच्चाई नहीं बदलने वाली।

एमईए प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भारत का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा, 'हम दोहराते हैं कि केंद्र शासित



प्रदेश लद्दाख भारत का अभिन्न और अटूट हिस्सा है। चीनी पक्ष के इनकार से यह स्थापित तथ्य नहीं बदल सकता।

उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति इस मामले में स्पष्ट है। दावा किया कि लद्दाख में स्थित

28 जगहों/विशेषताओं की पहचान भारतीय सर्वेक्षण विभाग के आधिकारिक नक्शों पर मानक नामों के साथ की गई है, और यह काम केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और स्थानीय हितधारकों के परामर्श से किया गया है।

जायसवाल ने कहा, भारतीय सर्वेक्षण विभाग के लद्दाख नक्शों पर इन स्थानों की औपचारिक रूप से पहचान करने का मकसद यह है कि लोग उन्हें सही ढंग से पहचान सकें और आम जनता में इनके बारे में बेहतर जानकारी उपलब्ध हो।

ट्रक-कार की आमने-सामने भिड़ंत, छत्तीसगढ़ के 3 लोगों की मौत 2 की हालत गंभीर



संवाददाता ■ राजनांदगांव

झारखंड में हुए सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के 3 लोगों की मौत हो गई। मंगलवार दोपहर पश्चिमी सिंहभूम जिले में ट्रक और कार की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

सभी राजनांदगांव जिले के रहने वाले हैं। घायलों को जमशेदपुर के टाटा मेन हॉस्पिटल (झरुा) में भर्ती कराया गया है। घटना पश्चिमी सिंहभूम जिले के हाटगम्हरिया थाना क्षेत्र की है।

मृतकों की पहचान अमृत कौर (45), अमनदीप कौर (15) और गुर सिमरन कौर (11) के रूप में हुई है। परिवार के हरमन कौर (6) और प्रदीप सिंह (57) गंभीर रूप से

घायल हैं। हादसे में कार सवार 9 महीने का एक बच्चा सुरक्षित बच गया।

जमशेदपुर जा रहा था परिवार जानकारी के अनुसार, 13 अक्टूबर की सुबह परिवार कार से छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव से जमशेदपुर जा रहा था। इसी दौरान कुदापी डाउन के पास रॉना साइड से आ रही ट्रक से कार की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह डैमेज हो गया और अमृत कौर, अमनदीप कौर और गुर सिमरन कौर की मौत हो गई।

हादसे के बाद भागा ट्रक ड्राइवर हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर गाड़ी छोड़कर मौके से भाग निकला। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

गुजरात में कांग्रेस की 41 साल से लगातार हार, राहुल गांधी को आत्ममंथन की जरूरत: अमित शाह

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का हवाला देते हुए मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गुजरात में कांग्रेस पिछले 41 वर्षों से कोई चुनाव नहीं जीत सकी है और पार्टी को इस पर गंभीरता से आत्ममंथन करने की जरूरत है। गृह मंत्री शाह ने भाजपा की चुनावी सफलताओं को मतदाताओं के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति समर्थन का प्रमाण बताया।

गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में तीन नगर निकायों में हुए चुनावों में भाजपा ने कुल 104 सीटों में से 90 पर जीत हासिल की है। उन्होंने बताया कि उनके संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत



आने वाले गांधीनगर नगर निगम में भाजपा ने 44 में से 38 सीटों पर कब्जा किया। शाह ने दावा किया कि आम आदमी पार्टी (आप) ने सभी 32 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन

प्रत्येक सीट पर उसकी जमानत जब्त हो गई। उन्होंने कहा कि गांधीनगर नगर निगम में पिछले चुनाव की

तुलना में भाजपा के मत प्रतिशत में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि गुजरात के मतदाताओं ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपना विश्वास जताया है। उन्होंने राहुल गांधी को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने गुजरात में पिछला

चुनाव 1985 में जीता था और उसके बाद से उसे लगातार हार का सामना करना पड़ा है।

गृह मंत्री अमित शाह ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने सवाल किया कि क्या गुजरात के निकाय चुनावों के नतीजे भी एसआईआर का परिणाम हैं। शाह ने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता को एसआईआर से जोड़कर खारिज करने के बजाय कांग्रेस नेतृत्व को अपनी राजनीतिक स्थिति पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुजरात जैसे बड़े राज्य में, जहां कांग्रेस कभी सत्ता में रही थी, वहां 41 वर्षों से कोई चुनाव नहीं जीत पाना पार्टी के लिए गंभीर आत्ममंथन का विषय है।

यूपीआई पर 0.4% चार्ज दिवाली तक टला



नई दिल्ली। यूपीआई पेमेंट पर 15 अक्टूबर से लागू होने वाला चार्ज दिवाली तक टाल दिया गया है। इसमें दुकानदार को 2,000 से ज्यादा का यूपीआई पेमेंट करने पर 0.4% चार्ज लगना था।

एनपीसीआई ने त्योहारी सीजन को देखते हुए इसे टालने का फैसला लिया है। एनपीसीआई ने कहा है कि इसे दिवाली के तुरंत बाद लगाया जाएगा, लेकिन अभी तारीख नहीं बताई है। अगर ग्राहक दुकानदार को 2,000 से ज्यादा का यूपीआई पेमेंट करता है, तो दुकानदार को कुल रकम पर 0.4% का एमडीआर चार्ज देना होगा। अगर ग्राहक 75,000 या उससे ज्यादा का बड़ा पेमेंट करता है, तो प्रलिप्त के बजाय अधिकतम 300 का फ्लैट चार्ज लागू होगा।

अगर ग्राहक रेलवे, टेलीकॉम, इंश्योरेंस या फ्यूल पर ₹2,000 से ज्यादा का पेमेंट करता है, तो प्रति ट्रांजेक्शन 5 का फ्लैट चार्ज लगेगा। उदाहरण से समझें कितना पैसा कटेगा 2,500 के पेमेंट पर: दुकानदार का 10 कटेगा।

5,000 के पेमेंट पर: दुकानदार का 20 कटेगा।

तीर तेवर

सागर कुमार



पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत-ब्रिटेन के संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं: ऋषि सुनक

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नई दिल्ली। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने मंगलवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद भारत-ब्रिटेन संबंधों को मजबूत बनाने में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दोनों देशों के बीच संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं।

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद सुनक ने उन्हें सार्वजनिक सेवा में 25 वर्ष करने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि व्यापार, प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में भारत और ब्रिटेन के बीच बढ़ता सहयोग अनिश्चितताओं से भरी दुनिया में बेहद महत्वपूर्ण है।

सुनक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र, आज नई दिल्ली में आपसे मिलकर अच्छा लगा। सार्वजनिक सेवा में 25 वर्ष



पूरे करने पर बधाई। यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। जब मैं प्रधानमंत्री था, तब आपके साथ काम करना सुखद अनुभव

रहा। आपकी प्रतिबद्धता, कार्यशैली और ऊर्जा हम सभी के लिए एक उदाहरण है।

उन्होंने आगे लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी

के नेतृत्व में भारत-ब्रिटेन संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार, प्रौद्योगिकी और एआई के क्षेत्र में बढ़ता सहयोग एक ऐसी दुनिया में महत्वपूर्ण है, जहां अनिश्चितताएं बढ़ रही हैं। सुनक ने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में ब्रिटेन और भारत के संबंध और प्रगाढ़ होंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सुनक की पोस्ट का जवाब दिया। उन्होंने लिखा, आज ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा।

भारतीय मूल के ऋषि सुनक का जन्म ब्रिटेन के साउथैम्प्टन में भारतीय मूल के माता-पिता के घर हुआ था। उनके परिवार की जड़ें पंजाब से जुड़ी हैं। सुनक ने वर्ष 2022 से 2024 तक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया था। वह ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद पर पहुंचने वाले भारतीय मूल के पहले व्यक्ति हैं।

छत्तीसगढ़ को मिला पहला शासकीय होम्योपैथी कालेज

विश्व केसरी■
रायपुर। राज्य के युवाओं को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में एक बड़ी सीगात मिली है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रयासों से छत्तीसगढ़ को पहले शासकीय होम्योपैथी कालेज की मान्यता मिली है।

छत्तीसगढ़ में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार एवं आयुष चिकित्सा पद्धतियों को सुदृढ़ बनाने की दिशा में राज्य को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है। राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (National Commission for Homoeopathy), नई दिल्ली के अंतर्गत होम्योपैथी चिकित्सा आकलन और रेटिंग बोर्ड (MARBH) द्वारा नवा रायपुर स्थित यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी को शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी (BHMS) पाठ्यक्रम की 63 सीटों पर प्रवेश हेतु सशर्त अनुमति प्रदान की गई है। आयोग द्वारा दिनांक 12 अक्टूबर



2026 को जारी अनुमति पत्र के अनुसार, नवा रायपुर के सेक्टर-40, उपरवारा, अटल नगर स्थित यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी में 63 सीटों की प्रवेश क्षमता के साथ नवीन बीएचएमएस पाठ्यक्रम के संचालन को सशर्त स्वीकृति दी गई है। यह अनुमति राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग अधिनियम, 2020 की धारा 29 के अंतर्गत प्रदान की गई है।

छत्तीसगढ़ में आयुष चिकित्सा शिक्षा को मिलेगी नई दिशा:

निर्धारित मानकों के अनुरूप शैक्षणिक एवं चिकित्सात्मक सुविधाओं के विकास से भविष्य में शिक्षण, प्रशिक्षण एवं चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में वृद्धि को संभावनाएं मजबूत होंगी। उन्होंने कहा कि राज्य में आयुष चिकित्सा पद्धतियों को प्रोत्साहित करने तथा चिकित्सा शिक्षा के नए अवसर विकसित करने की दिशा में यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

प्रदेश के विद्यार्थियों को मिलेंगे चिकित्सा शिक्षा के नए अवसर

नवीन होम्योपैथी महाविद्यालय में 63 सीटों पर प्रवेश की अनुमति मिलने से छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों के लिए होम्योपैथी चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के नए अवसर उपलब्ध होंगे। इससे प्रदेश में आयुष चिकित्सा शिक्षा के विस्तार, प्रशिक्षित होम्योपैथिक चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाने तथा भविष्य में होम्योपैथी स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में सहायता मिलेगी। यह उपलब्धि प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा के संस्थागत विस्तार

सीएम हाउस के बाहर हंगामा, व्यक्ति ने गाड़ियों के शीशे तोड़े

विश्व केसरी■
रायपुर। रायपुर में मुख्यमंत्री निवास के बाहर मंगलवार सुबह अचानक हंगामा हो गया। सिविल लाइन इलाके में स्थित सीएम हाउस के मुख्य गेट के पास एक व्यक्ति ने जमकर उत्पात मचाया और वाहनों के शीशे तोड़ दिए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी फैल गई। सूचना मिलने पर सिविल लाइन पुलिस पहुंची और व्यक्ति को हिरासत में ले लिया।

सुरक्षा कर्मियों से भी हुई झमाझटकी

मिली जानकारी के मुताबिक, व्यक्ति ने CM हाउस के बाहर खड़े वाहनों को नुकसान पहुंचाया। मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन इस दौरान झमाझटकी की स्थिति बन गई। घटना से आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया।

गोली चलने की चर्चा, पुलिस ने क्या कहा ?

हंगामे के दौरान गोली चलने जैसी आवाज 2026 को सशर्त अनुमति पत्र जारी किया गया।

इस क्रम में आयोग द्वारा 21 एवं 22 जुलाई 2026 को महाविद्यालय का निरीक्षण किया गया। इसके पश्चात 7 सितंबर 2026 को सुनवाई का अवसर प्रदान किया गया। निरीक्षण प्रतिवेदन, उपलब्ध संसाधनों, निर्धारित मानकों तथा सुनवाई के दौरान प्रस्तुत अनुपालन विवरण का परीक्षण करने के उरांत बोर्ड द्वारा 12 अक्टूबर 2026 को सशर्त अनुमति पत्र जारी किया गया।

मुताबिक, मौके पर गोली चलने का कोई साक्ष्य नहीं मिला है। पुलिस ने बताया कि घटना में 112 एंबुलेंस के शीशे टूटने की जानकारी मिली है।

CCTV फुटेज खंगाल रही पुलिस

पुलिस ने व्यक्ति को हिरासत में लेकर घटना की जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे CCTV कैमरों के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं, ताकि पूरे घटनाक्रम की जानकारी मिल सके।

पुलिस के मुताबिक, व्यक्ति प्रथम दृष्टया मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत हो रहा है। उसकी मेडिकल जांच कराई जा रही है। हालांकि, उसकी स्वास्थ्य स्थिति की पुष्टि जांच के बाद ही होगी।

विश्व गठिया दिवस पर जागरूकता व्याख्यान का हुआ आयोजन



विश्व केसरी■
रायपुर। विश्व गठिया दिवस के अवसर पर महन्त कॉलेज के शिक्षण गुणवत्ता विभाग द्वारा आज एक विशेष जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध जांच, संतुलित आहार, रुमेटीनॉयडिस्ट डॉ. अश्लेषा

जीवनशैली से इस रोग को नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने जोड़ों के दर्द को नजरअंदाज न करने और समय पर विशेषज्ञ से परामर्श लेने की सलाह दी।

इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित लोगों के प्रश्नों का समाधान भी किया और गठिया से बचाव के लिए सरल व्यायामों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ देवाशीष मुखर्जी सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक, छात्र-छात्राएं एवं आम नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ किरण अग्रवाल ने किया और आभार प्रदर्शन ललितमोहन वर्मा ने किया।

नैन्सी जैन मेकओवर्स में ब्राइडल मेकअप की बुकिंग शुरू



विश्व केसरी■
रायपुर। शादी के सीजन को देखते हुए नैन्सी जैन मेकओवर्स की ओर से ब्राइडल मेकअप के लिए बुकिंग शुरू कर दी गई है। संस्थान द्वारा दुल्हनों को उनके खास दिन

ब्राइडल मेकअप, एंजेजमेंट मेकअप, संगीत मेकअप, कॉकटेल मेकअप और पार्टी मेकअप की सुविधाएं भी दी जाती हैं।

प्री-ब्राइडल सेवाओं के अंतर्गत त्वचा की देखभाल और प्राकृतिक निखार पर विशेष ध्यान दिया जाता है, वहीं शादी एवं अन्य समारोहों के लिए आकर्षक और लंबे समय तक टिकने वाला मेकअप लुक तैयार किया जाता है। संस्थान में गुणवत्तापूर्ण उत्पादों, स्वच्छता और सुरक्षित मेकअप प्रक्रियाओं को प्राथमिकता देने पर जोर दिया जाता है। उद्देश्य प्रत्येक ग्राहक को पसंद और अवसर के अनुरूप बेहतर मेकअप अनुभव प्रदान करना है।

स्वामी विवेकानंद स्टडी सर्किल का राम प्रेरणा महोत्सव



विश्व केसरी■
रायपुर। स्वामी विवेकानंद स्टडी सर्किल छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित ‘ राम प्रेरणा महोत्सव ’विमतारा ऑडिटोरियम में अभूतपूर्व माहौल में समाप्त हुआ। कार्यक्रम के तीन चरणों में दीप

प्रज्वलन, स्वदेशी मंत्र का उच्चारण, स्टडी सर्किल का परिचय और हनुमान चालीसा पाठ के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रदेश भर से आए युवा, वरिष्ठ नागरिक और गणमान्य जनों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

रायपुर में दशहरे पर उमड़ेगा जनसैलाब, 101 फीट के रावण का होगा दहन

विश्व केसरी■
रायपुर। राजधानी रायपुर के डब्ल्यूआरएस कॉलोनी स्थित दशहरा मैदान में विजयादशमी पर भव्य दशहरा उत्सव आयोजित होगा। इस दौरान 101 फीट ऊंचे रावण का दहन और आकर्षक आतिशबाजी होगी। आयोजन में करीब 5 लाख लोगों के पहुंचने की संभावना है।

कार्यक्रम में राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल और महापौर मनील चौबे सहित अनेक जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।

रायपुर उत्तर विधायक पुरन्दर मिश्रा ने बताया कि आयोजन को भव्य बनाने के साथ नागरिकों की सुरक्षा और सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पाकिंग, यातायात, पेयजल, चिकित्सा, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन के लिए आवश्यक इंतजाम किए जाएंगे। रावण



दहन और आतिशबाजी के दौरान सुरक्षा दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

विधायक ने नागरिकों से परिवार सहित उत्सव में शामिल होने और प्रशासन के

राजकुमार कॉलेज रायपुर देश में चौथे और छत्तीसगढ़ में पहले स्थान पर शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि, प्राचार्य लेफ्टिनेंट कर्नल अविनाश सिंह को विजनरी एजुकेशन लीडर अवार्ड

विश्व केसरी■
रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित ऐतिहासिक राजकुमार कॉलेज (Rajkumar College) ने शिक्षा के क्षेत्र में एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन किया है। ‘EducationWorld India School Rankings 2026-27’ के तहत कॉलेज ने ‘विंटेज लेगासी को-एड डे कम् बोर्डिंग स्कूल’ (Vintage Legacy Co-ed Day Cum Boarding School) वर्ग में पूरे भारत में चौथा, छत्तीसगढ़ में पहला और रायपुर में पहला स्थान प्राप्त किया है।

यह प्रतिष्ठित सम्मान संस्थान की 143 वर्षों की गौरवशाली परंपरा, शैक्षणिक उत्कृष्टता और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति उसकी अटूट



प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह शानदार सफलता कॉलेज के प्रबंधन, प्राचार्य, परिणामा है। प्राचार्य लेफ्टिनेंट कर्नल शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और

लीडर अवार्ड’

इस गौरवशाली अवसर पर राजकुमार कॉलेज के प्राचार्य लेफ्टिनेंट कर्नल अविनाश सिंह (सेवानिवृत्त) को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान, दूरदर्शी नेतृत्व और शैक्षणिक गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों देने के लिए ‘विजनरी एजुकेशन लीडर अवार्ड 2026-27’ से सम्मानित किया गया है।

यह पुरस्कार उनके नवाचारपूर्ण नेतृत्व, छात्रों की सफलता और उच्चकोटि की शिक्षा के प्रति समर्पण को बड़ी मान्यता प्रदान करता है। कॉलेज के प्रबंधन और समस्त स्टाफ ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए लेफ्टिनेंट कर्नल अविनाश सिंह को हार्दिक बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

मां शीतला मंदिर में ज्योति प्रज्वलित

विश्व केसरी■
छुरा (मानसिंह)। ग्राम डंगनबाय में प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी शारदीय नवरात्रि का पावन पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। नवरात्रि के शुभारंभ पर ग्राम के प्रमुख आराध्य देवी मां शीतला मंदिर में ज्योति प्रज्वलित की गई है। वहीं दुर्गा मंच पर जगत जननी आदिशक्ति मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जा रही है। पूरे गांव में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है और माता रानी के जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो रहा है।

सुबह-शाम पूजा-अर्चना और आरती से भक्तिमय हुआ वातावरण

नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन सुबह और शाम माता रानी की पूजा-अर्चना, मंगलारचण एवं आरती की जा रही है। ग्रामवासी अपने परिवार और समाज की सुख-समृद्धि, खुशहाली, शांति तथा मंगलमय भविष्य की कामना लेकर माता के दरबार में पहुंच रहे हैं।

न्यायालय तहसीलदार रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (ज्तीसगढ़) // ईशतहार// रायपुर (जैन ड - 7) : अ-6 / वर्ष 2025-2026 रायपुर, दिनांक 13/10/2026 एतद् द्वारा सर्व सभाजन को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री संदीप वासुदेव भागवत पिता श्री वासुदेव विनायक भागवत निवासी-न्यू, शांति नगर रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के द्वारा इस न्यायालय में धारा-110 छ.ग. पू-राज्य संहिता 1959 के अंतर्गत नामांतरण बबल्ट आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि ग्राम-पंडरीतगढ़, पडरानो 47, रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर में स्थित परिवर्तित भूमि संपादन खसरा नंबर 574/21, शीट नंबर 22, पू-खण्ड नं. 24/2 का भाग, रकबा 2450 वर्गफुट भूमि आवेदक ने विकला श्री राजीव अतल काले पिता अर्नत गोविन्द काले विकला द्वारा सुख्यार आम श्री साकेत वैरा पिता उदय वैरा से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 11/09/2026 को कच कर स्वामित्व एवं अधिपत्य प्राप्त किया गया है। इस प्रकार उपरोक्त आवेदित भूमि को पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर आवेदक राज्य अधिलेख में अपना नाम दर्ज किये जाते हूँ निवेदन किया गया है। अतएव बिना किसी व्यक्त को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अधिभाषक के माध्यम से अपना लिखित आपत्ति दिनांक 22/10/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। निवेत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 13/10/2026 को हेर हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया। तहसीलदार रायपुर (छ.ग.)	करावल नगर पालिक निगम, रायपुर (जैन ड - 7) : अ-6 / वर्ष 2025-2026 रायपुर, दिनांक 13-10-2026 Email ID - rmzczone7@gmail.com पत्र क्रं /.....36301/ न. पा. नि. जौन जौन क्रं 7/2026 रायपुर, दिनांक 13-10-2026 इशतहार नामांतरण प्र.क्र. 36301 वाई का नाम 38 - स्वामी आत्मानंद वाई एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 38 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR715D000281 जो की निगम अधिलेख श्री / श्रीमती MANJUSHA SAHU पिता/पति श्री श्रीमती RAJESH KUMAR SAHU के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती मुक्तामणी अग्रवाल पिता/पति श्री श्रीमती अरविंद कुमार अग्रवाल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शाय पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करे ' (जोन कम्पिशनर) जौन (7) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)	करावल नगर पालिक निगम, रायपुर (जैन ड - 7) : अ-6 / वर्ष 2025-2026 रायपुर, दिनांक 13-10-2026 Email ID - rmzczone7@gmail.com पत्र क्रं /.....36302/ न. पा. नि. जौन जौन क्रं 7/2026 रायपुर, दिनांक 13-10-2026 इशतहार नामांतरण प्र.क्र. 36302 वाई का नाम 38 - स्वामी आत्मानंद वाई एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 38 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR715D000282 जो की निगम अधिलेख श्री / श्रीमती, RAJESH KUMAR SAHU पिता/पति श्री श्रीमती RAD-HESHYAM JI SAHU के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती मुक्तामणी अग्रवाल पिता/पति श्री श्रीमती अरविंद कुमार अग्रवाल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शाय पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करे ' (जोन कम्पिशनर) जौन (7) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)	करावल नगर पालिक निगम, रायपुर (जैन ड - 9) : पुलिस वान के पास, दुवे कॉलोनी, शीरा, रायपुर- : रायपुर, दिनांक 12-10-2026 Email ID - rmzczone9@gmail.com पत्र क्रं /.....35988...../ न. पा. नि. जौन क्रं 9/2026 रायपुर, दिनांक 12-10-2026 इशतहार नामांतरण प्र.क्र. 35988 वाई का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वाई एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR227C00227 जो की निगम अधिलेख श्री/श्रीमती RAJESH S/O HAN-SRAJ, PUSHPA DEVI W/O HANSRAJ पिता/पति श्री श्रीमती राजेश दुगड़ पिता/पति श्री श्रीमती हंसराज दुगड़ ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शाय पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करे ' श्री राकेश शर्मा (जोन कम्पिशनर) जौन (9) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)	करावल नगर पालिक निगम, रायपुर (जैन ड - 9) : पुलिस वान के पास, दुवे कॉलोनी, शीरा, रायपुर- : रायपुर, दिनांक 12-10-2026 Email ID - rmzczone9@gmail.com पत्र क्रं /.....35989...../ न. पा. नि. जौन क्रं 9/2026 रायपुर, दिनांक 12-10-2026 इशतहार नामांतरण प्र.क्र. 35989 वाई का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वाई एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR227W0079B जो की निगम अधिलेख श्री/श्रीमती AJEET KUMAR MANDHAN पिता/पति श्री श्रीमती CHATRU RAM MANDHAN के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती पवन कुमार चांउक पिता/पति श्री श्रीमती देव किशन चांउक ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शाय पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करे ' श्री राकेश शर्मा (जोन कम्पिशनर) जौन (9) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)	करावल नगर पालिक निगम, रायपुर (जैन ड - 9) : पुलिस वान के पास, दुवे कॉलोनी, शीरा, रायपुर- : रायपुर, दिनांक 12-10-2026 Email ID - rmzczone9@gmail.com पत्र क्रं /.....35990...../ न. पा. नि. जौन क्रं 9/2026 रायपुर, दिनांक 12-10-2026 इशतहार नामांतरण प्र.क्र. 35990 वाई का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वाई एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR227N00410 जो की निगम अधिलेख श्री/श्रीमती BHUPENDER KUMAR NAYAK पिता / पति श्री/श्रीमती NEHARU LAL NAYAK के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती शीला मिश्रा पिता/पति श्री श्रीमती उसत कुमार मिश्रा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शाय पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करे ' श्री राकेश शर्मा (जोन कम्पिशनर) जौन (9) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)	करावल नगर पालिक निगम, रायपुर (जैन ड - 9) : पुलिस वान के पास, दुवे कॉलोनी, शीरा, रायपुर- : रायपुर, दिनांक 12-10-2026 Email ID - rmzczone9@gmail.com पत्र क्रं /.....35991...../ न. पा. नि. जौन क्रं 9/2026 रायपुर, दिनांक 12-10-2026 इशतहार नामांतरण प्र.क्र. 35991 वाई का नाम 11- डॉ. विवेक अय्येकर वाई एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 11 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR226C0096D जो की निगम अधिलेख श्री/श्रीमती INJNA MOR-DIA पिता / पति श्री श्रीमती JAGAT RAM MORDIA के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती जातराम मोर्दिया पिता/पति श्री श्रीमती परमोमत मोर्दिया ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शाय पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। सूचना जारी करे ' श्री राकेश शर्मा (जोन कम्पिशनर) जौन (9) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
---	--	---	--	--	---	---

महाराष्ट्र और ब्रिटेन के बीच उन्नत विनिर्माण, एआई और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा

विश्व केसरी■
मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने ब्रिटेन के प्रतिनिधिमंडल के साथ उन्नत विनिर्माण, वित्तीय सेवाओं, जीवन विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और स्वच्छ प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। इस दौरान ब्रिटिश कंपनियों को महाराष्ट्र में अनुसंधान, इंजीनियरिंग और वैश्विक क्षमता केंद्र स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया गया।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। पोस्ट के अनुसार, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की दूसरी द्विपक्षीय बैठक ब्रिटेन के राष्ट्रीय और क्षेत्रीय नेतृत्व के प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई।

बैठक में ब्रिटेन के व्यापार एवं व्यापार राज्य सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स, ग्रेटर मैनचेस्टर की मेयर बेव क्रैग, लिबरपूल सिटी रीजन के मेयर स्टीव रोडमर और नॉर्थ ईस्ट की मेयर किम मैकगिनेस शामिल हुए। महाराष्ट्र सरकार की ओर से मंत्री जयकुमार



रावल भी बैठक में मौजूद रहे।

सीएमओ के अनुसार, बैठक में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश और तकनीकी सहयोग की संभावनाओं पर सकारात्मक चर्चा हुई। महाराष्ट्र सरकार ने ब्रिटिश कंपनियों को राज्य में अपने कारोबार का विस्तार करने के

लिए आमंत्रित करते हुए स्थानीय साझेदारियों और मानव संसाधन से जुड़ी आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता जताई।

चर्चा के दौरान ग्रेटर मैनचेस्टर की जीवन विज्ञान और उन्नत सामग्री के क्षेत्र में

विशेषज्ञता को महाराष्ट्र के औषधि, जैव प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग क्षेत्र के साथ जोड़ने की संभावनाओं पर भी विचार किया गया।

इसके अलावा, मुंबई और लिबरपूल की समुद्री तथा वाणिज्यिक गतिविधियों से जुड़ी समानताओं को देखते हुए बंदरगाहों, माल परिवहन और तटीय क्षेत्रों के पुनर्विकास में सहयोग के अवसरों पर चर्चा हुई।

ब्रिटेन के नॉर्थ ईस्ट क्षेत्र को वाहन उद्योग और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में क्षमताओं को महाराष्ट्र की औद्योगिक प्राथमिकताओं के अनुकूल बताया गया। इस संदर्भ में सुंदरलैंड और पुणे के बीच संपर्क स्थापित करने तथा दोनों क्षेत्रों के बीच सहयोग की संभावनाएं तलाशने पर भी विचार किया गया।

सीएमओ ने कहा कि दोनों पक्ष इन चर्चाओं को आगे बढ़ाने और प्रस्तावित सहयोग को समयबद्ध तरीके से ठोस रूप देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। महाराष्ट्र सरकार ने ब्रिटेन के साथ औद्योगिक, तकनीकी और निवेश संबंधों को मजबूत करने की दिशा में आगे काम करने की इच्छा जताई।



सेबी ने आईपीओ के इश्यू साइज में बदलाव की छूट मार्च 2027 तक बढ़ाई

विश्व केसरी■
मुंबई। भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) ने मंगलवार को कंपनियों को नए मसौदा दस्तावेज दाखिल किए बिना अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के तहत नए शेयर जारी करने के आकार में बदलाव करने की अस्थायी छूट बढ़ा दी। इस फैसले से बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच आईपीओ लाने की तैयारी कर रही कंपनियों को अधिक लचीलापन मिलेगा। एसोसिएशन ऑफ इन्वेस्टमेंट बैंकर ऑफ इंडिया (एआईबीआई) को भेजे गए एक पत्र के अनुसार, पश्चिम एशिया संघर्ष के चलते शुरू की गई यह छूट पहले 30 सितंबर को समाप्त हो गई थी। अब यह उन आईपीओ के लिए लागू रहेगी, जो 31 मार्च 2027 या उससे पहले खुलेंगे। इस व्यवस्था के तहत, आईपीओ लाने की तैयारी कर रही कंपनियां बाजार नियामक के पास

नए मसौदा निर्गम दस्तावेज जमा किए बिना अपने नए शेयर निर्गम के आकार में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि या कटौती कर सकती हैं। इस कदम का उद्देश्य कंपनियों को बाजार की बदलती परिस्थितियों और निवेशकों की मांग के अनुरूप अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने में मदद करना है। सेबी ने 12 अक्टूबर को भेजे गए एक ईमेल में कहा कि प्रमुख प्रबंधक संशोधित निर्गम आकार को दर्शाने वाले अपडेटेड निर्गम दस्तावेज दाखिल कर सकते हैं, बशर्ते निर्गम के मूल उद्देश्य में कोई बदलाव न हो। मर्चेन्ट बैंकरों को निर्गम के आकार में किसी भी संशोधन के लिए उचित कारण भी बताना होगा। नियामक ने निवेश बैंकरों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि सभी जरूरी बदलावों की जानकारी परिशिष्ट के माध्यम से निवेशकों को दी जाए और निर्गम दस्तावेज लागू नियमों के अनुरूप बने रहें।

आयुर्वेद के ‘अमृत’: लौंग से ज्वार तक, सेहत के लिए वरदान भगवती को प्रिय ये चीजें

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। शारदीय नवरात्रि को लेकर हर तरफ भक्ति और उल्लास है। नवरात्रि के दौरान भक्त मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए कई विशेष चीजें अर्पित करते हैं, जैसे लौंग, ज्वार-ज्वारे का रस, पान का पत्ता, किशमिश, गुड़, तिल और इलायची। ये न केवल देवी को प्रिय हैं, बल्कि आयुर्वेद में इन्हें औषधीय गुणों का खजाना माना जाता है।



देवी को प्रिय ये चीजें सेहत का खजाना भी हैं, जो पाचन, रोग प्रतिरोधक क्षमता, श्वसन और तन मन दोनों के स्वास्थ्य को मजबूत बनाती हैं। गुस नवरात्रि में इनका भोग लगाने से आध्यात्मिक और शारीरिक लाभ दोनों मिलते हैं। लौंग :- लौंग को आयुर्वेद में खासा स्थान प्राप्त है। नेचुरल पेन किलर के इस्तेमाल से दांत दर्द,

माइग्रेन के साथ ही मुंह की दुर्गंध और पाचन समस्याओं में भी राहत मिलती है। इसमें यूजेनॉल नामक तत्व होता है, जो एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण प्रदान करता है। यह खांसी, सर्दी-जुकाम में राहत देता है और पेट की गैस, एसिडिटी को दूर करता है। लौंग चबाने से मुंह ताजा रहता है और इम्यूनिटी बढ़ती है।

ज्वार-ज्वारे का रस :- ज्वारे का रस आयुर्वेद में अमृत तुल्य माना जाता है। यह विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। ज्वारे का रस शरीर को अंदर से साफ कर, ब्लड शुगर कंट्रोल करता है और डायबिटीज में भी फायदेमंद है। यह पाचन सुधारता है, वजन घटाने में मदद करता है और जोड़ों के दर्द, सूजन को कम करता है।

अर्जेंटीना में इगुआजु फॉल्स अस्थायी रूप से बंद

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। दक्षिण अमेरिकी देश अर्जेंटीना में भारी बारिश की वजह से इगुआजु नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। इसके बाद विश्व प्रसिद्ध इगुआजु जलप्रपात के आसपास पर्यटकों की आवाजाही अस्थायी रूप से रोक दी गई। प्रशासन ने यह कदम बाढ़ के खतरे और पर्यटकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया। नदी में पानी का बहाव सामान्य से छह गुना से भी अधिक हो गया था। हालांकि, जलस्तर में धीरे-धीरे गिरावट आने के बाद मंगलवार को पर्यटकों के लिए क्षेत्र दोबारा खोलने की घोषणा की गई। द ब्यूंस आर्यर्स मीडिया हाउस की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को इगुआजु नदी में पानी का बहाव 12,000 घन मीटर प्रति सेकंड से अधिक पहुंच गया था। सामान्य परिस्थितियों में यह बहाव इससे काफी कम रहता है।



लगातार बारिश और नदी के ऊपरी हिस्से में स्थित बांधों से छोड़े जा रहे पानी के कारण जलस्तर बढ़ने की आशंका को देखते हुए राष्ट्रीय उद्यान प्रशासन ने पर्यटकों के प्रवेश पर रोक लगा दी। इगुआजु राष्ट्रीय उद्यान के निदेशक जोस मारिया एर्वास ने कहा कि लगातार बारिश हो रही थी और नदी के ऊपरी हिस्से में स्थित बांधों से पानी का बहाव भी कम नहीं हो रहा था। ऐसे में पर्यटकों की सुरक्षा के लिए एहतियाती कदम उठाना

जरूरी था। प्रशासन ने बाद में बताया कि नदी के बहाव में धीरे-धीरे गिरावट आ रही है और मंगलवार (स्थानीय समयानुसार सुबह 9 बजे) से पर्यटकों के लिए क्षेत्र फिर खोला जाएगा। अधिकारियों ने जलस्तर और पर्यटक मार्गों की स्थिति पर नजर बनाए रखी। इगुआजु जलप्रपात अर्जेंटीना और ब्राजील की सीमा पर स्थित है। लगभग 2,700 मीटर में फैला यह जलप्रपात दुनिया के सबसे बड़े और

आकर्षक जलप्रपातों में गिना जाता है। इसे यूनेस्को ने भी विश्व के प्रमुख प्राकृतिक स्थलों में शामिल किया है। यहां हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं।

इस बार जलप्रपात के आसपास पर्यटकों की आवाजाही रोकने के पीछे अल नीनो से जुड़ी मौसमी परिस्थितियों को प्रमुख कारण माना जा रहा है। अल नीनो प्रशांत महासागर के उष्णकटिबंधीय हिस्से में समुद्री सतह का तापमान सामान्य से अधिक होने की जलवायु संबंधी घटना है। इससे दुनिया के विभिन्न हिस्सों में हवाओं, बारिश और मौसम के सामान्य पैटर्न में बदलाव आ सकता है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, वर्ष 2026-27 का अल नीनो काफी शक्तिशाली हो सकता है। अर्जेंटीना के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान विभाग ने भी पिछले महीने देश के तटीय क्षेत्रों में सामान्य से अधिक बारिश दर्ज की थी।

ऑटोइम्यून बीमारियों से जूझ रही महिलाओं के मामले बढ़े

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। ऑटोइम्यून बीमारियों से जूझ रही महिलाओं को पुरुषों की तुलना में ट्रीटमेंट जल्दी नहीं मिलता है। उन्हें बार-बार यह बताया जाता है कि उनके लक्षणों की वजह मानसिक या मनोवैज्ञानिक है। इससे बीमारी की सही पहचान और उपचार में देरी हो सकती है। ब्रिटेन के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय और ईस्ट एंग्लिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के एक अध्ययन में यह बात सामने आई है।

शोधकर्ताओं ने ऑटोइम्यून बीमारियों से पीड़ित 6,607 लोगों के अनुभवों का विश्लेषण किया। अध्ययन के निष्कर्ष 13 अक्टूबर को मेडिकल जर्नल ‘द लैंसेट इक्विनिकलमेडिसिन’ में प्रकाशित हुए। इसमें शामिल अधिकांश प्रतिभागी महिलाएं और ब्रिटेन के निवासी थे। अध्ययन में 43 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि उनके लक्षणों को पहले मानसिक या मनोरोग संबंधी कारणों से जोड़ दिया गया था। पुरुषों में ऐसा अनुभव करने वालों का आंकड़ा 33 प्रतिशत था। इसी तरह, 34 प्रतिशत महिलाओं ने कहा कि उनके शारीरिक



लक्षणों को मनोदैहिक समस्या बताया गया, जबकि पुरुषों में यह आंकड़ा 22 प्रतिशत था। शोधकर्ताओं के अनुसार, मनोदैहिक लक्षणों से आशय उन शारीरिक समस्याओं से है, जिन्हें मनोवैज्ञानिक कारकों से उत्पन्न या प्रभावित माना जाता है। अध्ययन में उम्र, बीमारी के प्रकार, महाद्वीप और घरेलू आर्थिक स्थिति जैसे कारकों को ध्यान में रखने के बाद भी महिलाओं में इस तरह की गलत पहचान की आशंका पुरुषों से अधिक पाई गई।

विश्लेषण के मुताबिक, महिलाओं में

बीमारी को गलत तरीके से मनोरोग संबंधी समस्या बताने की संभावना पुरुषों की तुलना में 46 प्रतिशत अधिक थी। वहीं, लक्षणों को मनोदैहिक समस्या बताने की संभावना 74 प्रतिशत अधिक पाई गई। अध्ययन में बीमारी की सही पहचान होने में लगने वाले समय को लेकर भी भेद नजर आया। पुरुषों में सबसे आम अनुभव यह था कि लक्षण सामने आने के तीन महीने के भीतर बीमारी की पहचान हो गई। इसके विपरीत, महिलाओं ने अक्सर बताया कि उन्हें सही

निदान के लिए एक से दो साल तक इंतजार करना पड़ा। इस दौरान उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अधिक बार डॉक्टरों के पास भी जाना पड़ा। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के जनस्वास्थ्य एवं प्राथमिक देखभाल विभाग की शोधकर्ता और अध्ययन की प्रमुख लेखिका मेलानी स्लोन ने कहा कि इस तरह के गलत निदान का महिलाओं पर लंबे समय तक असर पड़ सकता है। इससे डॉक्टरों पर उनका भरोसा और खुद के अनुभवों पर उनका विश्वास कमजोर हो सकता है। उन्होंने कहा कि कई महिलाओं को सही बीमारी का पता चलने से पहले वर्षों तक इंतजार करना पड़ता है, जिससे इलाज में भी देरी होती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, ऑटोइम्यून बीमारियों की पहचान करना कई बार मुश्किल होता है। इन बीमारियों में शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से अपने ही स्वस्थ ऊतकों पर हमला करने लगती है। इसके कारण थकान, मांसपेशियों में दर्द, त्वचा पर चकत्ते और नींद संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। ये लक्षण कई अन्य स्थितियों में भी दिखाई देते हैं।

भारतीय विमान कंपनियों ने सुरक्षा चिंताओं के चलते 17 अक्टूबर तक सऊदी अरब की सभी उड़ानें रद्द कीं

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, इंडिगो और अकासा एयर ने सऊदी अरब की बदलती सुरक्षा स्थिति का हवाला देते हुए मंगलवार को दमाम, जेद्दा और रियाद से आने-जाने वाली उड़ानों को 17 अक्टूबर तक निलंबित कर दिया।

एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस और अकासा एयर ने सोशल मीडिया ‘एक्स’ पर कहा कि प्रभावित यात्रियों को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के टिकट की तारीख बदलने या उड़ान रद्द कराने की स्थिति में पूरा रिफंड लेने का विकल्प दिया जा रहा है।

एयरलाइंस ने बताया कि परिचालन को लेकर आगे कोई



फैसला लेने से पहले वह घटनाक्रम पर करीबी नजर रख रही है। वहीं, इंडिगो ने सोशल मीडिया पर कहा कि ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले आधिकारिक वेबसाइट पर अपनी उड़ान का स्टेटस चेक कर लें। बुकिंग के

समय दी गई कॉन्टैक्ट डिटेल्स पर समय-समय पर अपडेट भेजे जा रहे हैं। हमारी सपोर्ट टीम किसी भी सवाल या चिंता में मदद के लिए उपलब्ध है। सऊदी अरब में हवाई अड्डों के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए ड्रोन और मिसाइल हमलों

के बाद सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं, जिससे भारत के साथ-साथ कई अन्य देशों की एयरलाइंस को भी अपनी उड़ानों को निलंबित करना पड़ा है।

इन घटनाक्रमों के चलते एयरलाइंस को अपने परिचालन की दोबारा समीक्षा करने और यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए कदम उठाने पड़े हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में एयर इंडिया ने सऊदी अरब की राजधानी के हवाई अड्डे पर हमले के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के बार-बार हमलों के बाद रियाद से आने-जाने वाली उड़ानों का निलंबन 15 अक्टूबर तक बढ़ा दिया था। ताजा हमलों से पूरे क्षेत्र में उड़ानों का व्यवधान और बढ़ गया है।

समुद्र में एक साथ नजर आएंगे भारत और रूस की नौसेनाओं के आधुनिक युद्धपोत

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। भारत और रूस की मजबूत दोस्ती को और आगे बढ़ाते हुए मंगलवार से दोनों देशों के बीच नौसैनिक अभ्यास ‘इंद्र-2026’ शुरू हो रहा है। भारतीय नौसेना के मुताबिक, यह अभ्यास मंगलवार 13 अक्टूबर से शुरू हो रहा है और 18 अक्टूबर तक जारी रहेगा। यहां दोनों देशों के आधुनिक युद्धपोत एक साथ समुद्र में नजर आएंगे।

भारतीय नौसेना का युद्धपोत आईएनएस सह्याद्रि इस अभ्यास में शामिल होने के लिए पहले ही 10 अक्टूबर को रूस के व्लादिवास्तोक पहुंच चुका है। यही युद्धपोत द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास ‘इंद्र-2026’ में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। इस अभ्यास के दौरान भारत-रूस की पुरानी रक्षा साझेदारी को और अधिक मजबूती मिलेगी। इस नौसैनिक अभ्यास का उद्देश्य भारत और



रूसी नौसेनाओं के बीच तालमेल बढ़ाना, एक-दूसरे के संचालन तरीकों को समझना और समुद्र में मिलकर काम करने की क्षमता को मजबूत करना है। दोनों देशों की नौसेना यहां एक-दूसरे के संचालन तरीकों को समझेंगी व समुद्र में मिलकर काम करने की क्षमता को मजबूत किया जाएगा। यहां दोनों देशों के बीच बंदरगाह से समुद्र तक तालमेल

स्थापित किया जाएगा। ‘इंद्र-2026’ के तहत दो अलग-अलग चरण आयोजित किए जाएंगे। पहले चरण में बंदरगाह पर विभिन्न गतिविधियां होंगी। इस दौरान पेशेवर बातचीत और समुद्री अभ्यास सफलतापूर्वक पूरा किया है। भारत में आयोजित इस अभ्यास से कठिन परिस्थितियों में हवाई योद्धाओं की तेजी से तैनाती, विभिन्न टुकड़ियों के बीच बेहतर तालमेल और मिशन के अनुरूप कार्रवाई करने की क्षमता की पुष्टि हुई।

पंजाब : परविंदर सिंह की हत्या पर नितिन नवीन ने ‘आप’ सरकार को घेरा

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को कहा कि पंजाब में नशा-विरोधी कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या किया जाना राज्य में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के तहत कानून-व्यवस्था की खराब स्थिति को उजागर करता है। उन्होंने इसे शासन की गंभीर विफलता बताया। नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की मंगलवार सुबह पंजाब के मानसा में गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना ने नशे के खिलाफ अभियान चलाने वालों और इलाके में मादक पदार्थों की कथित अवैध बिक्री का विरोध करने वालों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोशल मीडिया



प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ‘मानसा में नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की हत्या बेहद चौंकाने वाली है। यह पंजाब में आप सरकार के दौरान कानून-व्यवस्था की चिंताजनक स्थिति को उजागर करती है।’ उन्होंने कहा, ‘आम आदमी पार्टी नशामुक्त पंजाब का वादा करके सत्ता में आई थी। आज हालात यह हैं कि नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोग ही सुरक्षित

नहीं हैं। यह प्रशासन की गंभीर विफलता है। अगर ड्रग माफिया के खिलाफ लड़ने वाले लोग सुरक्षित नहीं हैं, तो पंजाब में कौन सुरक्षित है? भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पंजाब की जनता इस मामले में जवाब और जवाबदेही की हकदार है। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, एक मेडिकल स्टोर संचालक ने कथित तौर पर नशा विरोधी गतिविधियों को लेकर चला दी। झोटा एक नशा विरोधी टास्क फोर्स से जुड़े हुए थे और ड्रग वाले लोगों का विरोध किया था और स्थानीय लोगों को भी नशे के खिलाफ एकजुट किया था।

संपादकीय

नवरात्रि : शक्ति की उपासना और सामूहिक चेतना का पर्व



पार्थसारथि थपलियाल

प्रतीक है। शक्ति सृजन करती है, पालन करती है और आवश्यकता पड़ने पर विनाशकारी प्रवृत्तियों का अंत भी करती है।

दुर्गा सप्तशती के दूसरे और तीसरे अध्याय में वर्णित महिषासुर वध की कथा शक्ति के इसी व्यापक स्वरूप को प्रकट करती है। कथा के अनुसार, महिषासुर ने अपनी आसुरी शक्तियों के बल पर देवताओं को पराजित कर स्वर्ग पर अधिकार कर लिया था। देवता उसके अत्याचारों से त्रस्त थे। अपनी सत्ता, सामर्थ्य और अस्तित्व पर आए संकट से मुक्ति पाने के लिए वे ब्रह्मा के नेतृत्व में भगवान विष्णु के पास पहुँचे और उन्हें अपनी व्यथा सुनाई। महिषासुर के अत्याचारों का वृत्तांत सुनकर भगवान विष्णु तथा भगवान शिव अलग-अलग देवताओं के मुखमंडल पर क्रोध का भाव प्रकट हुआ। उनके शरीरों से महान तेज निकला। अन्य देवताओं के तेज के साथ मिलकर वह एक दिव्य नारी के रूप में परिणत हुया। यही आदिशक्ति देवी दुर्गा थीं। देवताओं ने अपनी-अपनी शक्तियाँ उन्हें समर्पित कीं और विविध अस्त्र-शस्त्र प्रदान किए। इस प्रकार देवी दुर्गा केवल एक दिव्य सत्ता के रूप में ही नहीं, बल्कि समस्त देवशक्तियों के समन्वित सामर्थ्य के प्रतीक के रूप में प्रकट हुई।

यहाँ कथा का सबसे महत्त्वपूर्ण संदेश देवताओं की सामूहिक शक्ति में निहित है। देवता अलग-अलग सामर्थ्य रखते थे, किंतु महिषासुर के विरुद्ध उनका व्यक्तिगत पराक्रम पर्याप्त सिद्ध नहीं हुआ। जब उनके तेज का समन्वय हुआ, तब ऐसी शक्ति प्रकट हुई जो आसुरी साम्राज्य को चुनौती दे सकती थी। यह प्रसंग बताता है कि जब अन्याय और अत्याचार अपनी सीमाएँ लौंघने लगें, तब केवल समष्ट्या पर चर्चा करना या अपनी व्यक्तिगत सामर्थ्य पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होता। आवश्यकता होती है सामूहिक संकल्प, परस्पर सहयोग और एक साझा उद्देश्य के लिए अपनी शक्तियों को एकत्र करने की।

दुर्गा सप्तशती के दूसरे अध्याय में देवी द्वारा महिषासुर की सेना के प्रमुख सेनानायकों और असुर योद्धाओं के संहार का वर्णन मिलता है। तीसरे अध्याय में महिषासुर स्वयं युद्धभूमि में उतरता है और विभिन्न रूप धारण करके देवी को पराजित करने का प्रयास करता है। अंततः देवी उसका वध कर देती हैं। यह विजय केवल एक असुर के अंत की कथा नहीं, बल्कि अधर्म, अहंकार, अत्याचार और अनियंत्रित शक्ति के विरुद्ध धर्मसम्मत सामर्थ्य की विजय का प्रतीक है। महिषासुर का बदलते रूपों में संघर्ष करना उन बुराइयों की प्रकृति की ओर भी संकेत करता है, जो परिस्थितियों के अनुसार अपना स्वरूप बदलती रहती हैं। उनसे मुक्ति पाने के लिए केवल बाहरी साहस नहीं, बल्कि विवेक, धैर्य और दृढ़ संकल्प भी आवश्यक हैं।

इस कथा का संदेश आज के सामाजिक जीवन में भी उतना ही प्रासंगिक है। समाज में जब भ्रष्टाचार, अन्याय, हिंसा, शोषण, भेदभाव और नैतिक पतन जैसी प्रवृत्तियाँ बढ़ती हैं, तब उनके विरुद्ध केवल किसी एक व्यक्ति का संघर्ष पर्याप्त नहीं होता। परिवार, समाज, संस्थाओं और शासन को अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए सामूहिक प्रयास करना पड़ता है। जिस प्रकार देवताओं ने अपनी शक्तियाँ देवी को समर्पित कीं, उसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति को अपने ज्ञान, कौशल, समय और सामर्थ्य का उपयोग समाज के हित में करना चाहिए। सामूहिकता का अर्थ अपनी स्वतंत्र पहचान खो देना नहीं, बल्कि अपनी विशिष्टताओं को व्यापक लोकहित के उद्देश्य से जोड़ना है। यही समन्वय किसी समाज को आंतरिक रूप से सहज बनाता है।

नवरात्रि में देवी के नौ स्वरूपों की उपासना भी इसी दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। शैलपुत्री से सिद्धिदात्री तक देवी के विविध स्वरूप श्रद्धालुओं को धैर्य, तप, आत्मसंयम, साहस, करुणा, विवेक और सिद्धि जैसे गुणों का स्मरण कराते हैं। उपवास, पूजा, जप और साधना का वास्तविक उद्देश्य केवल धार्मिक परंपराओं का निर्वाह नहीं, बल्कि अपने भीतर की दुर्बलताओं को पहचानना और उन पर विजय प्राप्त करना भी होता चाहिए। यदि देवी की आराधना के बाद भी मनुष्य के व्यवहार में क्रोध, अहंकार, लोभ और अन्याय के प्रति उदासीनता बनी रहती है, तो शक्ति-उपासना का आत्मपरिवर्तनकारी उद्देश्य अधूरा रह जाता है। देवी दुर्गा की आराधना हमें यह भी सिखाती है कि शक्ति और करुणा परस्पर विरोधी नहीं हैं। शक्ति का उद्देश्य निर्बलों को दबाना नहीं, बल्कि उनकी रक्षा करना है। वस्तुतः नवरात्रि का पर्व बाहरी आराधना से आंतरिक जागरण की यात्रा है। महिषासुर वध की कथा हमें बताती है कि बुराइयाँ चाहे कितनी ही शक्तिशाली क्यों न हों, उनके विरुद्ध संगठित और विवेकपूर्ण प्रयास से विजय प्राप्त की जा सकती है।

कविता

शक्ति-पर्व: नवदुर्गा वंदन



चन्द्रकला पाडिया

आगमन हुआ जगदंबा
का,
सज उठा भक्ति का
संसार,माँ के शुभ चरणों
से
महके,
धरती-अंबर, सकल
संसार।
प्रथम शैलपुत्री मंगलकारी,
ब्रह्मचारिणी तप की ज्योति,
चंद्रघंटा का दिव्य नाद,
हर ले मन का दुख-विषाद।
कृपांडा सृष्टि की जननी,
स्कंदमाता ममता की धार,
माँ कात्यायनी शक्ति-स्वरूपा,
करतीं भक्तों का उद्धार।

कालरात्रि हर ले अधियारा,
महागौरी फैलाए उजियारा,
सिद्धिदात्री दें सब सिद्धियाँ,
नौ रूपों की महिमा अपार।
नौ रूपों में शक्ति समाई,
नौ रूपों में दिव्य प्रकाश,
माँ की कृपा जहाँ बरसती,
मिट जाता मन का संताप।
मन के तम को दूर भगाएँ,
सत्य-धर्म की राह अपनाएँ,
दया, प्रेम, करुणा के दीपक,
अपने अंतर्मन में जलाएँ।
माँ अम्बे का आशीर्ष मिले,
हर घर में सुख-शांति निवास,
आरोग्य, समृद्धि, मंगल बरसे,
पूरी हो हर मन की आस।

विचार

विरोधाभासी चरित्र से अमेरिका पर भरोसा कठघरे में



ललित गर्ग

दुनिया की महाशक्ति होने का अर्थ यह नहीं कि कोई राष्ट्र अपनी ताकत के मद में चूर होकर पूरी दुनिया को अपनी उंगलियों पर नचाने लगे। शक्ति का वास्तविक मूल्य उसकी जिम्मेदारी, न्यायप्रियता और विश्वसनीयता से निर्धारित होता है, न कि इस बात से कि वह कितने देशों को धमका सकता है। दुर्भाग्य से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों में शक्ति के साथ-साथ मनमानी का जो प्रदर्शन दिखाई दे रहा है, उसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति के सामने एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है—क्या विश्व व्यवस्था नियमों और सिद्धांतों से चलेगी अथवा शक्तिशाली राष्ट्रों की, मनमानी, सुविधाओं और स्वाार्थों से? रूस से डीजल खरीदने के ट्रंप के ताजा फैसले ने इस प्रश्न को और प्रासंगिक बना दिया है। 9 अक्टूबर 2026 को ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत के बाद घोषणा की कि रूस अमेरिकी और वैश्विक बाजारों के लिए तत्काल तीन लाख टन से अधिक डीजल उपलब्ध कराएगा। इसके बाद नवंबर में पांच लाख टन और आगे दस लाख टन की आपूर्ति की भी घोषणा की गई। अमेरिकी प्रशासन ने रूसी डीजल के आयात पर प्रतिबंधों में अस्थायी छूट भी दी। इस घटनाक्रम की पुष्टि अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों ने की है।

विर्डबना देखिए कि यही अमेरिका कुछ समय पहले रूस से तेल खरीदने वाले देशों को कठघरे में खड़ा कर रहा था। भारत पर रूसी तेल खरीदने के कारण 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का निर्णय लिया गया था और रूस के ऊर्जा व्यापार से जुड़े देशों पर और कठोर शुल्क लगाने की व्यवस्था भी सामने आई। अमेरिकी कांग्रेस द्वारा पारित लिंडसे ओ. ग्राहम सेंसिटोनिंग रिसिया एण्ड ईरान ऐक्ट ऑफ 2026 ने रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की संभावनाओं को कानूनी आधार दिया। अब वही अमेरिका अपनी थोरेलू ऊर्जा जरूरतों और बढ़ती कीमतों के दबाव में रूसी डीजल के लिए रास्ता खोल रहा है। प्रश्न यह नहीं है कि अमेरिका को अपनी जनता के हित में ईंधन खरीदना चाहिए या नहीं। प्रत्येक संप्रभु राष्ट्र को अपनी ऊर्जा जरूरतें पूरी करने का अधिकार है। प्रश्न यह है कि जिस निर्णय को भारत जैसे देशों के लिए नैतिक अपराध और रूस की युद्ध मशीनरी को आर्थिक सहायता देने वाला कदम बताया गया, वही निर्णय अमेरिका के लिए राष्ट्रीय आवश्यकता कैसे बन गया? क्या नैतिकता की परिभाषा राष्ट्र की सीमा बदलते ही बदल जाती है? क्या अंतरराष्ट्रीय नियम केवल कमजोर और कम शक्तिशाली देशों के लिए हैं?

अमेरिका की इस नीति का सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि वह रूस से होने वाली ऊर्जा खरीद को यूक्रेन युद्ध के वित्तपोषण से जोड़कर देखता रहा है, लेकिन जब अपने देश में डीजल की कीमतें बढ़ीं और किसानों, ट्रक चालकों तथा उद्योगिकताओं पर आर्थिक दबाव बढ़ा, तो उसी रूस से आपूर्ति लेने का निर्णय कर लिया। रॉयटर्स के अनुसार, अमेरिका में डीजल की

कीमत 8 अक्टूबर को लगभग 6.28 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गई थी। तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले बढ़ती कीमतें ट्रंप प्रशासन के लिए राजनीतिक चुनौती बन गई हैं। यहाँ अमेरिकी राष्ट्रपति की प्राथमिकताओं का अंतर साफ दिखाई देता है। जब भारत अपनी अर्थव्यवस्था, करोड़ों उपभोक्ताओं और ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखकर रूसी तेल खरीदता है, तो उसे अंतरराष्ट्रीय नैतिकता का पाठ पढ़ाया जाता है। लेकिन जब अमेरिकी मतदाता मंहोे ईंधन से परेशान होते हैं, तब वही नैतिकता पीछे छूट जाती है और राष्ट्रीय हित सर्वोपरि हो जाता है। यह कैसी नीति है, जिसमें दूसरों के लिए सिद्धांत

संदर्भ में यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयातित पेट्रोलीयम पर निर्भर रहकर पूरा करता है। ऐसे में तेल की खरीद केवल व्यापारिक सौदा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, महंगाई, परिवहन, कृषि, उद्योग और आम नागरिक के जीवन से जुड़ा प्रश्न है। वैश्विक बाजार में तेल महंगा होता है तो उसका असर पेट्रोल-डीजल की कीमतों से लेकर खाद्य पदार्थों और माल ढुलाई तक दिखाई देता है। इसलिए भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा का अर्थ है कि उसे उपलब्धता, कीमत, आपूर्ति की स्थिरता और राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिले।



और अपने लिए सुविधानुसार अपवाद निर्धारित किए जाते हैं? दूसरों को उपदेश देना आसान है, लेकिन अपने आचरण को उन्हीं कसौटियों पर कसना कठिन। हिंदी की एक लोकोक्ति है—‘पर उपदेश कुशल बहुतेरे’। अमेरिका की मौजूदा नीति पर यह कहावत सटीक बैठती है। जो देश पूरी दुनिया को नियमों के पालन की सीख देता है, उसे सबसे पहले अपने व्यवहार में निरंतरता और पारदर्शिता दिखानी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में दोहरे मापदंड केवल विरोधियों को मजबूत नहीं करते, बल्कि मित्र देशों के विश्वास को भी कमजोर कर देते हैं। भारत के

किसी महाशक्ति के दबाव में आकर अपने आर्थिक हितों की अनदेखी करना न तो व्यावहारिक होगा और न ही दूरदर्शितापूर्ण। यह भी समझना जरूरी है कि रूस से तेल खरीदने का समर्थन करने का अर्थ यूक्रेन में जारी युद्ध का समर्थन करना नहीं है। इसी प्रकार ऊर्जा व्यापार पर प्रतिबंध लगाने की आलोचना का अर्थ किसी देश की सैन्य कार्रवाई का बचाव करना भी नहीं है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में इन दोनों प्रश्नों को अलग-अलग समझना चाहिए। युद्ध को समाप्त करने, संप्रभुता की रक्षा करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास आवश्यक हैं, लेकिन

आर्थिक प्रतिबंधों की प्रभावशीलता और उनके मानदंडों पर भी निष्पक्ष विचार होना चाहिए। यदि किसी देश की ऊर्जा खरीद को युद्ध के वित्तपोषण से जोड़कर देखा जाता है, तो यही कसौटी सभी देशों पर समान रूप से लागू होनी चाहिए। केवल विरोधी या कमजोर देश पर प्रतिबंध लगाना और अपने संकट के समय उसी स्रोत से आपूर्ति लेना उस नैतिक आधार को कमजोर करता है, जिस पर प्रतिबंधों को उचित ठहराया जाता है।

ट्रंप के फैसले ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को नाराजगी भी बढ़ाई है। जेलेंस्की ने इस कदम को रूस के लिए लाभकारी बताते हुए चिंता जताई कि इससे पुतिन को युद्ध जारी रखने के लिए आर्थिक संसाधन मिल सकते हैं। अमेरिकी सांसदों में भी इस निर्णय की आलोचना हुई है। ट्रंप का इसके बाद जेलेंस्की को यूक्रेन का नेतृत्व बदलने की सलाह देना मामले को और गंभीर बनाता है। किसी संप्रभु देश का राष्ट्रपति कौन होगा, यह निर्णय उस देश के नागरिकों और उसकी संवैधानिक व्यवस्था का विषय है। यदि अमेरिका स्वयं को लोकतंत्र और स्वतंत्रता का समर्थक बताता है, तो उसे दूसरे देश की राजनीतिक संप्रभुता का सम्मान भी करना चाहिए। शांति की पहल का स्वागत होना चाहिए, लेकिन शांति के नाम पर युद्ध से पीड़ित देश पर ही असंगत दबाव डालना न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता।

वास्तव में इस घटनाक्रम से दुनिया के सामने एक बड़ा सबक उभरता है। महाशक्ति होना और विश्वसनीय शक्ति होना दो अलग-अलग बातें हैं। पहली ताकत आर्थिक, सैन्य और राजनीतिक संसाधनों से मिलती है, दूसरी निष्पक्षता, वचनबद्धता और जिम्मेदार आचरण से अर्जित होती

है। अमेरिका के पास दुनिया की सबसे प्रभावशाली अर्थव्यवस्थाओं और शक्तिशाली संस्थाओं में से एक होने का गौरव है, लेकिन उसकी नीतियों में बार-बार होने वाले असंगत बदलाव उसके नेतृत्व की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ‘जैसी करनी वैसी भरनी’ की कहावत यहाँ केवल किसी व्यक्ति पर लागू नहीं होती, बल्कि राष्ट्रों की नीतियों पर भी लागू होती है। यदि अमेरिका अपने आर्थिक हितों के लिए प्रतिबंधों में छूट दे सकता है, तो उसे यह स्वीकार करना चाहिए कि दूसरे देशों को भी अपनी ऊर्जा सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों के अनुसार निर्णय लेने का अधिकार है। यदि उसे रूसी डीजल खरीदने की छूट उचित लगती है, तो भारत जैसे देशों की जरूरतों को भी उसी निष्पक्ष दृष्टि से देखने की अपेक्षा स्वाभाविक है। भारत को भी इस घटनाक्रम से सबक लेते हुए अपनी ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक आत्मनिर्भरता और रणनीतिक स्वायत्तता को और मजबूत करना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में न अंधविरोध उचित है, न अंधसमर्थन, आवश्यक है कि प्रत्येक निर्णय का मूल्यांकन राष्ट्रीय हित, वैश्विक शांति और समान मानदंडों के आधार पर किया जाए। सच यही है कि ताकत से दुनिया को कुछ समय के लिए झुकाया जा सकता है, लेकिन भरोसा केवल न्यायपूर्ण आचरण से जीता जा सकता है। अमेरिका के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती अपनी शक्ति का प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि अपनी विश्वसनीयता को बचाना है। क्योंकि इतिहास में राष्ट्रों की पहचान केवल उनकी ताकत से नहीं, बल्कि इस बात से भी होती है कि उन्होंने अपनी ताकत का इस्तेमाल कितनी ईमानदारी और जिम्मेदारी से किया।

बोध कथा

चिंता की मार

दो वैज्ञानिक बातचीत कर रहे थे। उनमें एक वृद्ध और एक युवा था। वृद्ध वैज्ञानिक ने कहा, ‘चाहे विज्ञान कितनी भी प्रगति क्यों न कर ले, लेकिन वह अभी तक ऐसा कोई उपकरण नहीं ढूँढ पाया, जिससे चिंता पर लगाम कसी जा सके।’ युवा वैज्ञानिक मुस्कराते हुए बोला, ‘आप भी कैसी बातें करते हैं। अरे चिंता तो मामूली सी बात है। भला उसके लिए उपकरण ढूँढने में समय क्यों नष्ट किया जाए?’ वृद्ध वैज्ञानिक ने कहा, ‘चिंता बहुत भयानक होती है। यह व्यक्ति का सर्वनाश कर देती है।’ लेकिन युवा वैज्ञानिक उनसे सहमत नहीं हुआ।

वृद्ध वैज्ञानिक उसे अपने साथ घने जंगलों की ओर ले गए। एक विशालकाय वृक्ष के आगे वे खड़े हो गए। युवा वैज्ञानिक बोला, ‘आप मुझे यहाँ क्यों लाए हैं?’ वृद्ध वैज्ञानिक ने कहा, ‘जानते हो, इस वृक्ष की उम्र चार सौ वर्ष बताई गई है।’

युवा वैज्ञानिक बोला, ‘अवश्य होगी।’ वृद्ध वैज्ञानिक ने समझाते हुए कहा, ‘इस वृक्ष पर चौदह बार बिजलियाँ गिरी। चार सौ वर्षों से अनेक तूफानों का इसने सामना किया।’ अब युवा वैज्ञानिक ने झुंझला कर कहा, ‘आप साबित क्या करना चाहते हैं?’

वृद्ध वैज्ञानिक बोले, ‘धैर्य रखो। यहां आओ और देखो कि इसकी जड़ में दीमक लग गया है। दीमक ने इसकी छाल को कुतर-कुतर कर तबाह कर दिया है।’

युवा वैज्ञानिक ने पूछा, ‘अब निष्कर्ष तो बताइए।’ वृद्ध वैज्ञानिक बोले, ‘जिस तरह यह विशाल वृक्ष बिजली से नष्ट नहीं हुआ, तूफान से धराशायी नहीं हुआ लेकिन मामूली दीमक उसे चट कर गया, उसी तरह चिंता का दीमक भी एक सुखी-समृद्ध और ताकतवर व्यक्ति को चट कर जाता है।’ युवा वैज्ञानिक उनसे सहमत हो गया।

व्यंग्य केसरी

खेमेबाजी का नया मोर्चा...



रविंद गिन्नोरे

साहित्य में एक विधा का बड़ा बोलबाला हो चला और वह है, ‘दलित लेखन।’ दलितों के उत्थान के लिए दलित लेखन’ की शुरुआत हुई या साहित्यिक खेमेबाजी के लिए हुई.. यह ठीक ठीक कहा नहीं जा सकता। राजनीति में दलितों का नाम लेकर सत्ता की बागडोर सम्हालने का आसानी से मौका मिलता है तो साहित्य में साहित्यकारों को क्या कितना मिला

है? यह ठीक ठीक कहा नहीं जा सकता है। दलित लेखन की शुरुआत कैसे हुई। दलित लेखन का अगुवा कौन है। शोध प्रबंध के लिए एक विचारणीय विषय हो सकता है। लेकिन दलित लेखन ‘ही क्यों.. और किसलिए शुरू किया गया। क्या साहित्य के लिए यह जरूरी है या नहीं ..। यह ठीक ठीक नहीं कहा जा सकता।

दलित लेखन से किसको लाभ मिला। वैसे दलितों की दशा सुधारने के लिए सरकार ने कानून बनाया है इस कानून की आड़ में लाभ लेने वाले बहुत ले रहे हैं। दलित लेखन करने वाले खुद अपनी प्रसिद्धि प्राप्ति का लाभ लेते हैं या फिर दलितों को इस से लाभ मिलता है। क्या दलित लेखन से दलितों की दशा में सुधार हुआ या नहीं...। यह ठीक ठीक कहा नहीं जा सकता। आज जिस तरह से समाज

जोड़ने की बात चल रही है और जातियों को खत्म करने का मुद्दा उभरता जा रहा है। इसे देखते हुए दलित लेखन कितना प्रासंगिक है। क्या दलित लेखन समाज को जोड़ने में सार्थक हुआ कि दलितों की पहचान बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई है। क्या दलित लेखन से समाज को दिशा मिल रही है या दिग भ्रमित कर रहा है...। यह ठीक ठीक नहीं कहा जा सकता। क्या दलित लेखन की भाषा इतनी कठिन है कि दलित स्वयं उसे नहीं समझ पाते पर बड़े-बड़े वाले उस पर पीएचडी कर लेते हैं? यह ठीक ठीक कहा नहीं जा सकता। क्या दलित लेखन अपनी पीड़ा बेचकर प्रसिद्धि पाता हैं, या पीड़ा ही उनकी एकमात्र पूंजी है? यह ठीक ठीक कहा नहीं जा सकता। जाति मिट रही है या सिर्फ साहित्य के पन्नों में और गहरी हो रही है?

यह ठीक ठीक कहा नहीं जा सकता। क्या दलित लेखन अब एक ‘कोटा सिस्टम’ बन गया है साहित्य में, जहाँ जाति का टिकट लगाने से छपना आसान हो जाता है? यह ठीक ठीक कहा नहीं जा सकता। क्या दलित लेखन की सफलता का पैमाना यह है कि कितने गैर-दलित उस पढ़कर रोते हैं, न कि कितने दलित उसे पढ़कर खड़े होते हैं? यह ठीक ठीक कहा नहीं जा सकता।

क्या दलित लेखन अब एक ‘थ्रिलर’ बन गया है—जहाँ गैर-दलित पाठक दलितों की पीड़ा का मजा लेते हैं, जैसे किसी रियलिटी शो का एपिसोड? यह ठीक ठीक कहा नहीं जा सकता। और अंत में, क्या दलित लेखन समाज को जोड़ रहा है या सिर्फ साहित्य के खेमेबाजी के नए मोर्चे खोल रहा है? यह ठीक ठीक कहा नहीं जा सकता।

इतिहास

14 अक्टूबर का दिन भारतीय और विश्व इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और ऐतिहासिक बदलावों के लिए जाना जाता है: प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ 1882: शिमला में पंजाब विश्वविद्यालय की स्थापना हुई, जो कलकत्ता, बंबई और मद्रास के बाद ब्रिटिश सरकार द्वारा स्थापित भारत का चौथा विश्वविद्यालय था। 933: जर्मनी ने लीग ऑफ नेशंस (राष्ट्रसंघ) से बाहर निकलने की घोषणा की। 1947: अमेरिका के केचन चक येगर (Chuck Yeager) ने पहली बार ध्वनि की गति (Sound Barrier) से तेज विमान उड़ाकर इतिहास रचा। 1953: भारत सरकार ने आर्थिक अखमनता को कम करने के लिए संपदा शुल्क अधिनियम (Estate Duty Act) लागू किया।

नो-एंट्री में घुसने वाले 15 वाहन चालकों पर यातायात पुलिस का शिकंजा, 21 प्रकरणों में 39,200 का चालान!

यातायात प्रभारी विमलेश देवांगन के नेतृत्व में रामानुजगंज में विशेष वाहन चेकिंग अभियान

विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)।

सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए यातायात पुलिस ने सख्ती तेज कर दी है। पुलिस अधीक्षक वैभव बैकर के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्वदीपक त्रिपाठी के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी विमलेश देवांगन के नेतृत्व में रामानुजगंज में विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नो-एंट्री नियम का उल्लंघन करने वाले 15 वाहन चालकों सहित कुल 21 प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए 39,200 रुपये का शमन शुल्क लगाया गया।

यातायात पुलिस की इस कार्रवाई से प्रतिबंधित मार्गों पर नियमों की अवदेखी करने वाले वाहन चालकों को स्पष्ट संदेश दिया गया है कि यातायात नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल चालानी कार्रवाई करना नहीं, बल्कि



वाहन चालकों को जिम्मेदार बनाकर सड़क दुर्घटनाओं की आशंका कम करना और आम नागरिकों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना है।

विमलेश देवांगन के नेतृत्व में नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई

यातायात प्रभारी विमलेश देवांगन के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान के दौरान विशेष रूप से नो-एंट्री में प्रवेश करने वाले वाहनों पर नजर रखी गई। प्रतिबंधित मार्गों



दौरान कुल 39,200 रुपये का शमन शुल्क लगाया गया। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों की निर्धारित मार्गों का उपयोग करने, यातायात संकेतों का पालन करने और सड़क पर दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखने की समझाइश भी दी।

चालान के साथ जागरूकता पर भी जोर

यातायात पुलिस का मानना है कि सड़क सुरक्षा के लिए सख्ती के साथ जनजागरूकता भी जरूरी है।

अनिवार्य रूप से उपयोग करें। निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करें और नशे की हालत में वाहन चलाने से पूरी तरह बचें।

सुरक्षित यातायात के लिए नागरिकों से सहयोग की अपील

यातायात विभाग रामानुजगंज ने नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का सम्मान करें और जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएं। नियमों का पालन केवल चालान से बचने का माध्यम नहीं, बल्कि स्वयं, अपने परिवार और सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की सुरक्षा का महत्वपूर्ण उपाय है।

यातायात पुलिस का संदेश है— 'यातायात नियमों का करें सम्मान, सुरक्षित रहें और सुरक्षित रखें अपनी जान।' पुलिस ने नागरिकों से सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में सहयोग करने और सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है।

मारवाड़ी अग्रवाल समाज ने मनाई महाराजा अग्रसेन जयंती, निकाली शोभायात्रा



विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)।

नगर में अग्रवाल समाज द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती हर्षोल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर समाज के लोगों ने बाजे-गाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली, जिसमें समाज के वरिष्ठजन, युवा, महिलाएं एवं युवतियां उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

शोभायात्रा का शुभारंभ नगर के प्राचीन अंजनी पुत्र मारवाड़ी हनुमान मंदिर से हुआ। सुसज्जित रथ में महाराजा अग्रसेन की छायाचित्र को विराजित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इसके पश्चात भक्ति भाव एवं उत्साह के साथ शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए होटल राघव इन पहुंची। यहां आमंत्रित अतिथियों का आगमन हुआ, जिनका समाज के लोगों ने स्वागत एवं अभिनंदन किया।

ज्ञात हो कि शिवरीनारायण नगर में अग्रवाल समाज द्वारा प्रतिवर्ष महाराजा अग्रसेन जयंती बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई जाती है। इस आयोजन के माध्यम से समाज के लोग एकजुट होकर महाराजा अग्रसेन के आदर्शों, सामाजिक समरसता, एकता एवं सेवा भावना को स्मरण करते हैं।

पूरे आयोजन के दौरान समाज के लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला। भक्ति, उल्लास और सामाजिक एकता के वातावरण में संपन्न इस आयोजन ने समाज की होते हुए होटल राघव इन पहुंची। यहां आमंत्रित अतिथियों का सम्पर्ण को प्रदर्शित किया।

ब्लैकबोर्ड पर ‘मैगिफेरा इंडिका’ लिख कलेक्टर ने परखी बच्चों की प्रतिभा

विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)।

विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता परखने और स्कूलों में बेहतर पढ़ाई का माहौल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महाराजगंज का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर का एक अलग ही अंदाज देखने को मिला। वे केवल निरीक्षण तक सीमित नहीं रहें, बल्कि शिक्षिका की भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया, ब्लैकबोर्ड पर सवाल लिखकर उनकी विषयगत समझ परखी और ग्लोब के माध्यम से भूगोल की व्यावहारिक जानकारी दी।

उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि मेहनत, नियमित अभ्यास और अनुशासन के बल पर वे टॉपर बन सकते हैं तथा भविष्य में डॉक्टर, इंजीनियर और आईएसएस अधिकारी बनकर अपने परिवार, गांव और जिले का नाम रोशन कर सकते हैं।

ब्लैकबोर्ड पर लिखा ‘मैगिफेरा इंडिका’, बच्चों ने दिया सही जवाब



निरीक्षण के दौरान कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी कक्षा 11वीं जीवविज्ञान में पहुंचें। यहां उन्होंने हाथ में चाँक लेकर ब्लैकबोर्ड पर ‘मैगिफेरा इंडिका’ लिखा और विद्यार्थियों से पूछा कि यह किस फल का वानस्पतिक नाम है। विद्यार्थियों ने तत्परता से जवाब देते हुए बताया कि यह फलों के राजा आम का वानस्पतिक नाम है। बच्चों के सही उत्तर पर कलेक्टर ने प्रसन्नता व्यक्त की और उनकी तैयारी की सराहना की।

उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि

पढ़ाई में सफलता प्राप्त करने के लिए केवल पाठ याद करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि विषयों को समझना, नियमित अभ्यास करना और सीखी हुई बातों का समय-समय पर दोहराव करना भी जरूरी है। उनकी इस संवादात्मक शिक्षण शैली से विद्यार्थियों को अपनी जानकारी परखने और आत्मविश्वास के साथ उत्तर देने का अवसर मिला।

ग्लोब से समझाया देशों का भूगोल, पढ़ाई को बनाया रोचक

कक्षा 11वीं कला के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ग्लोब मंगवाकर विद्यार्थियों को विभिन्न देशों की भौगोलिक स्थिति का व्यावहारिक प्रदर्शन कराया। उन्होंने ग्लोब के माध्यम से भूगोल को समझने की प्रक्रिया को रोचक बनाया, जिससे विद्यार्थी विषय को केवल किताबों तक सीमित रखने के बजाय वास्तविक रूप में समझ सकें।

कलेक्टर ने कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं वाणिज्य सहित 11वीं कला तथा 11वीं जीवविज्ञान के विद्यार्थियों से भी पाठ्यक्रम के संबंध में चर्चा की।

सिवनी के पांच वृशु खिलाड़ियों का राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए चयन, गांव का नाम करेंगे रोशन

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)।

जांजगीर-चांपा जिले के सिवनी गांव के लिए गर्व की बात है कि यहां संचालित सिवनी वृशु मार्शल आर्ट्स क्लาส के पांच खिलाड़ियों का चयन 25 वीं जुनियर राष्ट्रीय वृशु चैंपियनशिप के लिए हुआ है। चयनित खिलाड़ियों में चार बालिकाएं और एक बालक शामिल हैं। ये खिलाड़ी 28 अक्टूबर से 2 नवंबर 2026 तक चेन्नई, तमिलनाडु में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे।

राष्ट्रीय वृशु प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ियों में भूमि देवांगन, भूमिका देवांगन, दीप्ति महंत, गुंजन श्रीवास और एरिक फॉक के नाम शामिल हैं। इन खिलाड़ियों के चयन से



सिवनी गांव सहित पूरे जांजगीर-चांपा जिले में खुशी का माहौल है।

प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में हासिल की उपलब्धि

खिलाड़ियों की इस सफलता में वृशु प्रशिक्षक गुलाब चंद यादव, प्रीतम दास

विजेता खिलाड़ी होने के साथ जिला जांजगीर-चांपा वृशु संघ के सदस्य एवं कोच हैं। वहीं, प्रीतम दास महंत राष्ट्रीय वृशु पदक विजेता खिलाड़ी एवं जिला वृशु संघ के कोच हैं। ममता देवांगन भी वृशु प्रशिक्षक के रूप में खिलाड़ियों को तकनीकी प्रशिक्षण और प्रतियोगिता की तैयारी में मार्गदर्शन प्रदान कर रही हैं।

प्रशिक्षकों का प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को उचित प्रशिक्षण और अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जाए।

राष्ट्रीय स्तर पर दमखम दिखाएंगी सिवनी की बेटियां

सिवनी की चार बालिकाओं का राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए चयन क्षेत्र के लिए विशेष उपलब्धि है।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर छात्राओं के साथ विशेष संवाद और मार्गदर्शन सत्र

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर पोस्ट मैट्रिक शासकीय कन्या छात्रावास, बिलासपुर में यूनिसेफ समर्थित एडोलसेंट एंपावरमेंट प्रोजेक्ट के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम 12 अक्टूबर 2026 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 65 छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इसका उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास, जीवन कौशल, लैंगिक समानता, बाल अधिकारों एवं सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम में समग्र शिक्षा विभाग, बिलासपुर की गेस्ट स्पीकर सुनीता पाण्डेय ने छात्राओं को जीवन कौशल, आत्मविश्वास, संवादात्मक एवं गतिविधि आधारित सत्र आयोजित किए गए, जिनमें



क्षमता और लक्ष्य निर्धारण के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को अपनी क्षमताओं को पहचानने, चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करने तथा अपने सपनों को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान संवादात्मक एवं गतिविधि आधारित सत्र आयोजित किए गए, जिनमें

छात्राओं ने उत्साहपूर्वक अपने विचार साझा किए। बालिकाओं को बाल अधिकारों, बाल संरक्षण, साइबर सुरक्षा और लैंगिक समानता के विषय में जागरूक किया गया। साथ ही उन्हें अपनी बात आत्मविश्वास के साथ रखने, अपने अधिकारों को समझने और भविष्य के लिए लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी लोगों की समस्याएं

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)।

जिला कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में लोगों की समस्याएं सुनी। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने उनसे मिलकर सख्ती एवं सामुदायिक शिकायत समन्वही आवेदन दिया। जिस पर उन्होंने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे एवं अपर कलेक्टर वीरेंद्र बहादुर पंचभाई ने भी लोगों की समस्याएं सुनी।

जनदर्शन में आज कोटा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत आमामुड़ा के ग्रामीणों ने कलेक्टर से मुलाकात कर बताया कि शासकीय प्राथमिक शाला के दो शिक्षक नियमित रूप से स्कूल आने के बावजूद अध्यापन कार्य कराने में प्रति



लापरवाही बरत रहे हैं। जिसमें एक शिक्षक द्वारा शराब पीकर आने तथा बच्चों को पढ़ाई नहीं कराने की शिकायत करते हुए मामले की जांच कर संबंधित शिक्षकों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है। शहरी क्षेत्रों के चार सेजेस स्कूलों में कार्यरत नर्सरी शिक्षिकाओं एवं आया ने पिछले तीन माह से लैबित मानदेय दिलाते का आग्रह करते हुए बताए कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन कर रही हैं, लेकिन भुगतान नहीं होने से उन्हें आर्थिक तंगी का सामना

‘प्रेण’ लायंस क्लब बिलासपुर ने लगाया वृहद स्वास्थ्य शिविर, 180 लोगों ने उठाया लाभ



विश्व केसरी■

बिलासपुर (ब्यूरो)। सुरेश सिंह बैस)।

लायंस क्लब इंटरनेशनल 3233छ के अंतर्गत ‘प्रेण’ लायंस क्लब बिलासपुर द्वारा अक्टूबर माह में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर विविध जनसेवी एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों और बच्चों को चांकलेट एवं टॉफियां वितरित कर

खुशियां भी बांटी गईं। समारोह के दौरान नशामुक्ति, स्वच्छता तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता अभियान चलाया गया। उपस्थित नागरिकों को नशे से दूर रहने, अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने और यातायात नियमों का पालन करने के महत्व से अवगत कराया गया। साथ ही सड़क सुरक्षा के प्रति सजग एवं सतर्क रहने की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के साथ स्वस्थ, स्वच्छ और अर्पित की गई। कार्यक्रम के निर्माण में जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना

जनगणना-2027 की तैयारी तेज, सटीक आंकड़ों से बनेगी विकास की मजबूत नींव

कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी की मौजूदगी में प्रशिक्षण का पहला सत्र संपन्न

विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)।

जनगणना-2027 को व्यवस्थित, पारदर्शी और त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से बलरामपुर जिले में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जनगणना के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनवरी-फरवरी 2027 में प्रस्तावित जनसंख्या गणना के मैदानी कार्यों को बेहतर बनाने के लिए जिला पंचायत सभाकक्ष में 12 से 15 अक्टूबर तक चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की उपस्थिति में प्रशिक्षण का पहला सत्र संपन्न हुआ।



प्रशिक्षण में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनसंख्या गणना से संबंधित मानकों, दिशा-निर्देशों, प्रक्रियाओं और आंकड़ों के सटीक संकलन की जानकारी दी जा रही है।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय

प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें जिला स्तरीय जनगणना नीति निर्माणी, अनुविभागीय जनगणना अधिकारियों, चार्ज अधिकारियों, जनगणना लिपिकों और तकनीकी सहायकों को जनगणना कार्य की जिम्मेदारियों एवं निर्धारित प्रक्रियाओं से अवगत कराया जा रहा है।

कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने सटीक आंकड़ों को बताया महत्वपूर्ण प्रशिक्षण सत्र के दौरान कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने जनसंख्या गणना से जुड़े मानकों, दिशा-निर्देशों, संकल्पनाओं और डेटा संकलन की शुद्धता पर विशेष

जोर दिया। उन्होंने कहा कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े राष्ट्रीय नीति निर्माण और विकास योजनाओं के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए आंकड़ों का सही संकलन, निर्धारित समय-सारणी का पालन और कार्यों का व्यवस्थित क्रियान्वयन अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने प्रशिक्षण के माध्यम से अधिकारियों-कर्मचारियों को जनगणना की प्रक्रिया की स्पष्ट समझ विकसित करने और मैदानी स्तर पर कार्य करते समय निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

त्योहारी भीड़ में रेलवे यात्रियों की परीक्षा, बिलासपुर स्टेशन पर सुविधाओं और ट्रेनों की लेटलतीफी पर उठे सवाल

विश्व केसरी■

बिलासपुर (ब्यूरो)। सुरेश सिंह बैस)।

त्योहारों का मौसम आते ही रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ बढ़ना स्वाभाविक है। नवरात्रि, दीपावली और छठ जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में लोग अपने घरों तक पहुंचने के लिए रेलगाड़ियों पर निर्भर रहते हैं। ऐसे समय में रेलवे प्रशासन की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि यात्रियों को पर्याप्त जगह, सुरक्षित यात्रा, स्वच्छ वातावरण और निर्धारित समय पर ट्रेनें उपलब्ध कराई जाएं। लेकिन बिलासपुर रेलवे स्टेशन से यात्रा करने वाले यात्रियों की कुछ समस्याएं ऐसे सवाल खड़े कर रही हैं, जिन पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे प्रशासन को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

बिलासपुर जोन रेलवे स्टेशन एक महत्वपूर्ण रेल जंक्शन है। यहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री विभिन्न दिशाओं में यात्रा करते हैं। ऐसे में जनरल डिब्बों में अत्यधिक भीड़, ट्रेनों के क्लिंब से संचालन और स्टेशन परिसर में स्वच्छता एवं नागरिक सुविधाओं से जुड़ी



शिकायतों को केवल सामान्य असुविधा मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

नागपुर इंटरसिटी में जनरल बोगियों की संख्या बढ़ाना जरूरी बिलासपुर से नागपुर की ओर जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस में सामान्य श्रेणी से यात्रा करने वाले यात्रियों को त्योहारों के आसपास भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

एलटीसीजी पर चर्चाओं से भारतीय शेयर बाजार में आई तेजी; सेंसेक्स 1,109 अंक चढ़ा

विश्व केसरी■

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को तूफानी तेजी देखने को मिली। इस दौरान सेंसेक्स 1,109.10 अंक या 1.54 प्रतिशत की तेजी के साथ 73,033.78 और निफ्टी 358.60 अंक या 1.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,721.95 पर था।
बाजार में तेजी का नेतृत्व आईटी शेयरों ने किया। सूचकांकों में निफ्टी आईटी 5.22 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर था। निफ्टी रियल्टी, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी ऑटो और निफ्टी मेटल के साथ करीब सभी सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। केवल निफ्टी फार्मा ही सपाट बंद हुआ।



लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में मजबूत खरीदारी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 624.65 अंक या 1.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 59,459.20 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 21.60 अंक या 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,447.40 पर बंद हुआ।
सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, टीसीएस, टेक महिंदा, इन्फोसिस, एचयूएल, ट्रेट, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टाइटन, बीआईएल, एमएंडएम,भारती एयरटेल, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, टाटा स्टील, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक और अदानी पोर्ट्स गेनर्स थे। केवल कोटक महिंदा बैंक, मारुति सुजुकी और

भारत को बढ़ती ऊर्जा मांग के चलते तेजी से बढ़ानी होगी कोयला आधारित क्षमता: सीईए चेयरमैन

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के चेयरमैन घनश्याम प्रसाद ने मंगलवार को कहा कि भारत को अपनी तेजी से बढ़ती ऊर्जा मांग को बनाए रखने के लिए रिन्यूएबल एनर्जी के विस्तार के साथ पहले लगाए गए अनुमान से अधिक कोयला आधारित ऊर्जा क्षमता को तैयार करना होगा।
इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक कार्यक्रम में सीईए प्रमुख ने कहा कि मांग के रुझानों की वजह से नीति निर्माताओं को आने वाले दशक में भरोसेमंद बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कोयले से बिजली बनाने की क्षमता बढ़ाने के पैमाने पर फिर से विचार करना पड़ सकता है। इसके अलावा, सरकार ने पिछले साल अनुमान लगाया था कि 2035 तक देश की कोयले से चलने वाली बिजली उत्पादन क्षमता में 97 गीगावाट की बढ़ोतरी होगी, जिससे कुल स्थापित क्षमता आधारित ऊर्जा क्षमता लगभग 307 गीगावाट हो जाएगी। हालांकि, बिजली की खपत में उम्मीद से ज्यादा तेजी से हो रही बढ़ोतरी भविष्य की जरूरतों को काफी बढ़ा सकती है।
प्रसाद ने कहा, 'मांग बढ़ रही है और जैसे-जैसे मांग बढ़ती है, हमें उस मांग को पूरा करने के



लिफे आपूर्ति के स्थिर स्रोतों की जरूरत है।' प्रसाद के अनुसार, कोयले से चलने वाली अतिरिक्त क्षमता की जरूरतें पहले के अनुमानों से ज्यादा हो सकती हैं और मौजूदा विस्तार योजनाओं के अलावा 105 गीगावाट से 150 गीगावाट तक पहुंच सकती हैं।
उनका यह बयान उस चुनौती को दिखाता है जिसका सामना भारत कर रहा है, क्योंकि देश तेजी से बढ़ती बिजली की खपत और साफ ऊर्जा की ओर बढ़ने के अपने लंबे समय के लक्ष्यों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है। प्रसाद ने कहा कि इस साल बिजली की मांग में काफी तेजी आई है और योजना की पीक डिमांड पिछले साल के मुकाबले 45 गीगावाट से 50 गीगावाट ज्यादा रही है।
इसके अलावा, मानसून के मौसम में कम बारिश की वजह से पनबिजली उत्पादन भी कम हुआ है, जिससे सप्लाई की कमी को पूरा करने के लिए थर्मल पावर प्लांट पर निर्भरता बढ़ गई है।
सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में बिजली की कमी बढ़कर 560 मिलियन किलोवाट-घंटे हो गई, जो अगस्त 2023 के बाद सबसे ज्यादा स्तर था और यह तब हुआ जब कोयले से चलने वाले पावर प्लांट से बिजली का उत्पादन ज्यादा था।

1.5 अरब आबादी, मजबूत खपत और निवेश क्षमता भारत की सबसे बड़ी ताकत; आईएमएफ



विश्व केसरी■

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा भारत के 7 प्रतिशत की विकास दर के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने के अनुमान को अर्थशास्त्रियों और बाजार विशेषज्ञों ने मंगलवार को भारत की आर्थिक क्षमता पर वैश्विक भरोसे का संकेत बताया है।
अर्थशास्त्री विजय सरदाना ने न्यूज एजेंसी आईएनएस से बात करते हुए कहा कि भारत जैसा 1.5 अरब से अधिक आबादी वाला देश अपार संभावनाओं से भरा हुआ है और मौजूदा जीडीपी आंकड़े यह साबित करते हैं कि देश में विकास की गुंजाइश अभी भी बहुत व्यापक है।
उन्होंने कहा, 'दुनिया को भारत के बाजार को गंभीरता से लेना चाहिए क्योंकि यहां निवेश और कारोबार के विशाल अवसर मौजूद हैं।' उन्होंने कहा कि वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक

पुनर्संतुलन (रियलाइनमेंट) के दौर में भारत एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।' उन्होंने आगे कहा, भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी मजबूत उपभोग (कंजम्प्शन) आधारित अर्थव्यवस्था है। जब 1.5 अरब लोग रोजमर्रा की जरूरतों पर खर्च करते हैं, तो उससे कृषि, उद्योग, सेवाओं और तकनीक जैसे सभी क्षेत्रों को बल मिलता है। उन्होंने यह भी कहा कि आईएमएफ का अनुमान लोगों में विश्वास पैदा करता है, खासकर ऐसे समय में जब महंगाई और वैश्विक आर्थिक सुस्ती को लेकर चिंताएं रही हैं। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि केवल जीडीपी वृद्धि दर से आम आदमी का जीवन नहीं बदलता। जमीनी स्तर पर बदलाव के लिए रोजगार सृजन, निवेश आकर्षित करने वाली नीतियां और आर्थिक अवसरों का विस्तार जरूरी है।
उनके मुताबिक जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय संकेतक जरूर हैं, लेकिन वास्तविक प्रगति का

आकलन रोजगार और लोगों की आय में सुधार से होना चाहिए। वहीं, कपूर एंड एसोसिएट्स के अर्थशास्त्री और कर विशेषज्ञ सीए योगेंद्र कपूर ने आईएएनएस से कहा कि भारत के पास 7 प्रतिशत या उससे अधिक की विकास दर बनाए रखने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि सरकार का डिजिटलीकरण, बुनियादी ढांचे के विकास और पारदर्शी आर्थिक व्यवस्था पर फोकस निवेश के लिए अनुकूल माहौल तैयार कर रहा है।
उन्होंने आगे कहा, आयकर और जीएसटी संग्रह में लगातार बढ़ोतरी इस बात का संकेत है कि भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से अनौपचारिक ढांचे से औपचारिक अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रही है। इससे विदेशी निवेशकों का भरोसा भी मजबूत हुआ है।' हालांकि उन्होंने आगाह किया कि लगातार ऊंची मुद्रास्फीति भारत की विकास यात्रा के लिए एक प्रमुख चुनौती बनी हुई है।

जीपीएस लगाने के मामले में कोयंबटूर तमिलनाडु में अग्रणी

विश्व केसरी■

कोयंबटूर। कोयंबटूर तमिलनाडु में खनिज परिवहन ट्रकों में ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) उपकरण लगाने वाला अग्रणी जिला बनकर उभरा है। यहां राज्य सरकार द्वारा अनिवार्य स्थापना के लिए निर्धारित 31 अक्टूबर की समय सीमा से पहले ही अब तक 4,200 वाहनों को इन उपकरणों से लैस किया जा चुका है।
कोयंबटूर जिले में लगभग 7,000 ट्रक खनिज पदार्थों के परिवहन में लगे हुए हैं। इनमें से 60 प्रतिशत वाहनों में उपकरण लगाए जा चुके हैं और अधिकारी शेष ट्रकों को भी समय सीमा से पहले नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रयास तेज कर रहे हैं। यह पहल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कोयंबटूर की सीमा केरल से लगती है और यह पड़ोसी राज्य में खनिज संसाधनों के परिवहन का मार्ग है। कोयंबटूर-केरल सीमा पर 13 चेक पोस्ट हैं, जहां अधिकारी खनिजों की अवैध आवाजाही को रोकने के लिए काम कर रहे हैं।



खनिज संसाधन विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस संयुक्त रूप से अनधिकृत परिवहन के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई कर रहे हैं। जीपीएस लगाना अनिवार्य करना राज्य सरकार के उन प्रयासों का हिस्सा है, जिनका उद्देश्य खनिज संसाधनों का परिवहन करने वाले वाहनों की निगरानी को मजबूत करना है।
सरकार के निर्देशानुसार, तमिलनाडु में खनिज परिवहन करने वाले ट्रकों में 31 अक्टूबर तक जीपीएस उपकरण लगाना अनिवार्य है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर इस आवश्यकता को पूरा न करने

वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कोयंबटूर की प्रगति ने इसे ट्रैकिंग उपकरणों से लैस खनिज परिवहन वाहनों की संख्या में अन्य जिलों से आगे कर दिया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कुछ जिलों में खनिज परिवहन में लगे हुए 12,000 तक ट्रक हैं, लेकिन उनमें से केवल लगभग 2,000 में ही जीपीएस उपकरण स्थापित किए गए हैं। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि बजरी, लाल मिट्टी और अन्य खनिजों को ले जाने वाले ट्रक मालिकों के साथ स्थाना में तेजी लाने और सरकार के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए चर्चा की गई थी।

भारत के फ्लेक्सिबल ऑफिस बाजार का आकार 2030 में 160 मिलियन वर्ग फुट तक पहुंचने की उम्मीद : रिपोर्ट

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत ने दुनिया के सबसे परिपक्व फ्लेक्सिबल ऑफिस बाजार के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखी है और 2026 में इसका आकार 100 मिलियन वर्ग फुट (एमएसएफ) का आंकड़ा पार करने और 2030 तक बढ़कर लगभग 160 मिलियन वर्ग फुट तक पहुंचने की उम्मीद है। यह जानकारी मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।
कुशमैन एंड वेकफील्ड की रिपोर्ट के अनुसार, 2026 की पहली छमाही में देश में फ्लेक्सिबल ऑफिस स्पेस का कुल स्टॉक बढ़कर 88.7 मिलियन वर्ग फुट हो गया, जो देश के कुल ऑफिस स्पेस का 10.5 प्रतिशत है।
रिपोर्ट में कहा गया कि कंपनी के फ्लेक्सिबल ऑफिस मार्केट मैच्योरिटी इंडेक्स में भारत ने 100 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। साथ ही, फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस अब भारत अमेरिका के बाद दुनिया का



सोमित नहीं है, बल्कि कंपनियों के रियल एस्टेट पोर्टफोलियो का एक रणनीतिक हिस्सा बनता जा रहा है। रिपोर्ट में अपफ्लेक्स के विश्लेषण के हवाले से बताया गया, वैश्विक बुकिंग में भारत की हिस्सेदारी 2025 की पहली छमाही के 2.2 प्रतिशत से तेजी से बढ़कर 2026 की पहली छमाही में 10.2 प्रतिशत हो गई। इसके साथ ही भारत अमेरिका के बाद दुनिया का

छमाही में भारत के आठ प्रमुख शहरों में 8.5 मिलियन वर्ग फुट जगह लीज पर दी, जो पहली छमाही के लिहाज से अब तक का उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन है। अब भारत में कुल ऑफिस लीजिंग में फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत हो गई है।
इसके अलावा, रिपोर्ट के अनुसार, ऑपरेटरों ने 2023 से 2025 के बीच 44.1 मिलियन वर्ग फुट जगह लीज पर दी, जिसमें 7.2 लाख से अधिक फ्लेक्स सीटें शामिल थीं। वहीं, मैनेज्ड ऑफिस स्पेस की मांग औसतन 350 से 500 सीटों के बीच रही।
इस बीच, व्यापक आर्थिक उतार-चढ़ाव के दौर में भी सीटों की मांग लगातार बढ़ी है। यह वर्ष 2020 में लगभग 38,000 सीटों से बढ़कर 2026 में इसके अनुमानित तीन लाख सीटों तक पहुंचने की उम्मीद है। इस अवधि में मांग लगभग सात गुना बढ़ गई है।

एआई बूम ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को बांटा

विश्व केसरी■

वॉशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने मंगलवार को कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में तेजी से बढ़ रहे निवेश और मध्य पूर्व में जारी युद्ध के कारण दुनिया की अर्थव्यवस्था दो हिस्सों में बंटती नजर आ रही है। एक ओर चिप निर्माण और एआई सप्लाई चेन से जुड़े देश तेजी से लाभ उठा रहे हैं, जबकि दूसरी ओर ऊर्जा आयात पर निर्भर और तकनीकी मूल्य श्रृंखला से बाहर रहने वाले देशों पर दबाव बढ़ रहा है।
आईएमएफ की अक्टूबर 2026 वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक (डब्ल्यूईओ) रिपोर्ट के अनुसार, भू-राजनीतिक घटनाक्रम और तकनीकी बदलावों के संयुक्त प्रभाव ने एक 'विभाजित वैश्विक अर्थव्यवस्था' की स्थिति पैदा कर दी है। जिन देशों को बेहतर व्यापारिक शर्तें, तकनीक-आधारित निर्यात और निवेश का लाभ मिल रहा है, उन्हें सुरक्षा, कच्चा मिला है, जबकि अन्य देशों को ऊंचे आयात बिल और कमजोर मांग का सामना करना पड़ रहा है।
रिपोर्ट के अनुसार, ताइवान इस बदलाव का सबसे बड़ा लाभार्थी बनकर उभरा है। आईएमएफ ने 2026 में उसकी आर्थिक वृद्धि दर 10.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो 2025 में 8.8 प्रतिशत थी। हालांकि 2027 में इसके 4.3 प्रतिशत तक धीमा पड़ने की संभावना है।
दक्षिण कोरिया की वृद्धि दर भी 2025 के 1.1 प्रतिशत से बढ़कर 2026 में 3.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। आईएमएफ के

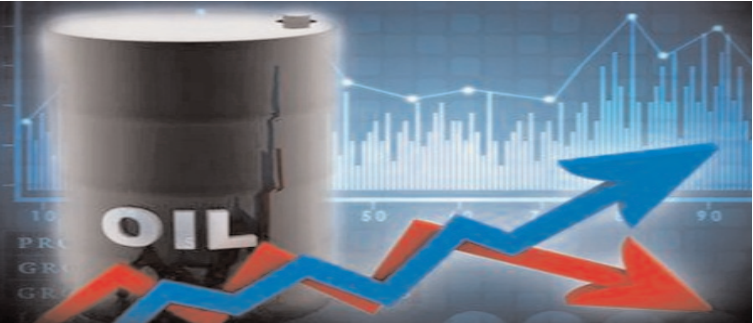


अनुसार, सेमीकंडक्टर की वैश्विक मांग में तेजी ने मध्य पूर्व युद्ध के नकारात्मक प्रभाव को काफी हद तक संतुलित कर दिया है। रिपोर्ट में वियतनाम के लिए 8.4 प्रतिशत और मलेशिया के लिए 5.2 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। आईएमएफ ने कहा कि दक्षिण-पूर्व एशिया की कई अर्थव्यवस्थाएं डेटा सेंटर गतिविधियों और वैश्विक टेक्नोलॉजी चक्र में तेजी से लाभान्वित हो रही हैं। हालांकि आईएमएफ ने यह भी कहा कि एआई से मिलने वाला लाभ बहुत सीमित देशों तक केंद्रित है।
रिपोर्ट के अनुसार, उन्नत सेमीकंडक्टर के वैश्विक व्यापार का लगभग 62 प्रतिशत हिस्सा ताइवान और कोरिया से आता है। मांग के मोर्चे पर चीन और अमेरिका एआई से जुड़े कंप्यूटिंग हार्डवेयर के कुल शुद्ध आयात का 75 प्रतिशत से अधिक हिस्सा रखते हैं।

होर्मुज समझौता बंद होने से 2026 में खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्थाओं में गिरावट की आशंका

विश्व केसरी■

वॉशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने मंगलवार को कहा कि मध्य पूर्व में जारी युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद रहने के कारण 2026 में मध्य पूर्व और मध्य एशिया क्षेत्र की अर्थव्यवस्था सिकुड़ सकती है। आईएमएफ की अक्टूबर 2026 वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक (डब्ल्यूईओ) रिपोर्ट के अनुसार, इस क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि दर 2025 के 3.7 प्रतिशत से घटकर 2026 में -0.3 प्रतिशत रह सकती है। हालांकि 2027 में इसके दोबारा 6.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है।
आईएमएफ ने कहा कि अप्रैल 2026 के अनुमान की तुलना में 2026 के लिए वृद्धि दर में 2.2 प्रतिशत अंक की कटौती की गई है, जिसकी प्रमुख वजह होर्मुज जलडमरूमध्य के लंबे समय तक बंद रहने की आशंका है, जबकि उसके दोबारा खुलने के बाद 2027 में अपेक्षाकृत मजबूत रिकवरी देखने को मिल सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, सबसे अधिक असर छोटे खाड़ी तेल उत्पादक देशों पर पड़ेगा। कुवैत की अर्थव्यवस्था 2026 में 16.7 प्रतिशत, इराक की 16 प्रतिशत, कतर की 15.6 प्रतिशत और बहरीन की 11.3 प्रतिशत तक सिकुड़ सकती है।
आईएमएफ का मानना ​​है कि ऊर्जा उत्पादन और परिवहन में बाधाओं का इन



देशों पर सबसे ज्यादा प्रभाव होगा। हालांकि 2027 में इन देशों में तेज वापसी की संभावना जताई गई है। आईएमएफ के अनुसार, 2027 में इराक 19 प्रतिशत, कतर 18.8 प्रतिशत, कुवैत 17.1 प्रतिशत और बहरीन 13.9 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर्ज कर सकते हैं।
रिपोर्ट में कहा गया है कि सऊदी अरब पर प्रभाव अपेक्षाकृत कम रहेगा क्योंकि उसके पास निर्यात के अधिक विविध मार्ग उपलब्ध हैं। सऊदी अर्थव्यवस्था के 2026 में 3.3 प्रतिशत सिकुड़ने और 2027 में 7.9 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। वहीं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की अर्थव्यवस्था 2026 में 3.9 प्रतिशत घट सकती है और 2027 में 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है।

बालों के लिए महंगे तेल खरीदने की जरूरत नहीं, नारियल और कैस्टर ऑयल से बनाएं हेयर ऑयल



नारियल तेल, कैस्टर ऑयल, मेथी, कलौंजी, रोजमेरी और करी पत्ते से घर पर हेयर ऑयल बनाया जा सकता है। यह बालों और स्कैल्प की देखभाल में मदद कर सकता है, लेकिन बालों की ग्रोथ या झड़ना रोकने की गारंटी नहीं देता। लगावार हेयर फॉल होने पर एक्सपर्ट से सलाह लेना बेहतर है।

बालों का झड़ना, कमजोर होना और ग्रोथ धीमी होना कई इस तेल में नारियल तेल, लोगों की परेशानी है। तनाव, नॉंद

की कमी, खान-पान और बालों की सही देखभाल न करने जैसी कई वजहों से हेयर क्वालिटी प्रभावित हो सकती है। ऐसे में लोग बालों की देखभाल के लिए अलग-अलग तेल और घरेलू नुस्खे आजमाते हैं।

मशहूर न्यूट्रिशनिस्ट किरण कुकरेजा ने भी बालों को हेल्दी, मजबूत और शाइनी बनाने के लिए एक खास हेयर ऑयल की रेसिपी शेयर की है।

इस तेल में नारियल तेल, कैस्टर ऑयल, मेथी दाना, कलौंजी,

सबसे पहले एक पैन में नारियल तेल और कैस्टर ऑयल डालकर हल्का गर्म करें। अब इसमें मेथी दाना, कलौंजी, झड़ रोजमेरी और करी पत्ते डाल दें। सभी चीजों को धीमी आंच पर करीब 15 से 20 मिनट तक पकाएं। इस दौरान गैस तेज न रखें, क्योंकि ज्यादा गर्मी से तेल और उसमें डाली गई चीजें जल सकती हैं।

इसके बाद गैस बंद कर दें और तेल को पूरी तरह ठंडा होने दें। ठंडा होने के बाद तेल को छान लें और किसी साफ और सूखे कंटेनर में भरकर रखें। किरण कुकरेजा के अनुसार, इस तेल को 2 से 3 महीने तक स्टोर किया जा सकता है।

बालों के लिए कैसे फायदेमंद हो सकती हैं ये चीजें

नारियल तेल बालों और स्कैल्प को मॉइस्चर देने में मदद करता है। वहीं, कैस्टर ऑयल को अक्सर बालों की देखभाल के लिए इस्तेमाल किया जाता है, हालांकि इसे सीधे तौर पर बालों की ग्रोथ बढ़ाने वाला साबित करने वाले मजबूत सबूत सीमित हैं। मेथी दाने में प्रोटीन और अमीनो एसिड पाए जाते हैं। बालों की संरचना में प्रोटीन की अहम भूमिका होती है, इसलिए मेथी का इस्तेमाल कई घरेलू हेयर

केयर रूटीन में किया जाता है।

कलौंजी और करी पत्ते का इस्तेमाल भी पारंपरिक तौर पर बालों की देखभाल के लिए किया जाता है। हालांकि, यह कहना सही नहीं होगा कि ये चीजें हर व्यक्ति में बालों का झड़ना रोक देंगी या नए बाल उगाने की गारंटी देंगी, अगर बाल लगातार झड़ रहे हैं या तेजी से पतले हो रहे हैं, तो इसकी वजह जानना ज्यादा जरूरी है।

बालों में तेल लगाने का सही तरीका

तेल लगाने से पहले बाल और स्कैल्प साफ होना बेहतर है। थोड़ी मात्रा में तेल लेकर स्कैल्प पर हल्के हाथों से लगाएं और करीब 5 से 10 मिनट तक मसाज करें। इसके बाद लगभग 45 से 50 मिनट तक तेल लगा रहने दें और फिर माइल्ड शैंपू से बाल धो लें।

पहली बार इस्तेमाल करने से पहले थोड़ा सा तेल त्वचा के छोटे हिस्से पर लगाकर देखें। जलन, खुजली या लालिमा जैसी परेशानी हो तो इसका इस्तेमाल न करें। साथ ही, बालों की लंबाई और ग्रोथ पर सिर्फ तेल निर्भर नहीं करती। सही खान-पान, पर्याप्त नींद और बालों की समझती की सही वजह जानना भी जरूरी है।

चेहरा तो चमक रहा मगर गर्दन पर जम गए हैं मैल ? ऐसे दूर होगी टैनिंग और गंदगी



करना भी है।

गर्दन की नियमित सफाई जरूरी

डॉक्टर मोहम्मद इकबाल ने कहा कि लोग चेहरे को तो रोजाना साफ करते हैं, लेकिन गर्दन पर उतना ध्यान नहीं देते। ऐसे में पसीने और गंदगी के कारण गर्दन का रंग गहरा दिखाई देने लगता है। इससे बचने के लिए गर्दन की नियमित सफाई करना जरूरी है। नहाते समय गर्दन को हल्के हाथों से साफ करें और धूप में निकलते समय चेहरे के साथ गर्दन पर भी सनस्क्रीन लगाएं।

5 से 10 मिनट तक रगड़ें

आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर मोहम्मद इकबाल के मुताबिक, अगर आप घर पर ही कुछ आसान घरेलू नुस्खे अपनाते हैं और गर्दन की नियमित सफाई करते हैं तो कालापन कम करने में मदद मिल सकती है। इसके लिए 2 चम्मच आलू का रस, थोड़ा शैंपू, इनो, आधा नींबू और एक छोटा चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर पेस्ट बना लें। अब नींबू लेकर इस पेस्ट को लगाकर हल्के हाथ से गोल-गोल करके 5 से 10 मिनट तक गर्दन का रंग गहरा दिखाई देने लगता है। आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर मोहम्मद इकबाल के मुताबिक, गर्दन पर कालापन आने की एक वजह उसकी सही तरीके से सफाई नहीं

सर्दियों में तो कई लोग नहाने

से भी बचते हैं। ऐसे में त्वचा पर गंदगी जमा होने लगती है और गर्दन का रंग गहरा दिखाई देने लगता है। आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर मोहम्मद इकबाल के मुताबिक, गर्दन पर कालापन आने की एक वजह उसकी सही तरीके से सफाई नहीं

महंगे शौक छोड़कर छोटी खुशियों पर फोकस कर रहे लोग



लिटिल ट्रीट कल्चर लोगों को बड़ी और महंगी खरीदारी के बजाय छोटी खुशियों पर ध्यान देने की सोच देता है। पसंदीदा खाना, कॉफी, किताब या कोई छोटा ब्रेक भी दिन को बेहतर बना सकता है। बस इन छोटी खुशियों के साथ बजट और जरूरतों का ध्यान रखना जरूरी है।

आज कई लोग बड़ी खरीदारी या महंगी चीजों पर पैसा खर्च करने के बजाय छोटी-छोटी खुशियों के लिए बजट निकाल रहे हैं। कभी पसंदीदा कॉफी, कभी छोटी सी चॉकलेट, फूलों का गुलरस्ता या मनपसंद खाना। इन छोटे खर्चों का मकसद सिर्फ सामान खरीदना नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में खुद को थोड़ा खुश महसूस कराना है। सोशल मीडिया पर इस तरह की सोच को लिटिल ट्रीट कल्चर कहा जा रहा है।

खास बात यह है कि इसमें खुशी के लिए बहुत ज्यादा पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं मानी जाती। छोटी रकम में मिलने वाली चीजें भी दिन को बेहतर बना सकती हैं, लेकिन सवाल यह है कि यह ट्रेंड आखिर लोगों के बीच इतना लोकप्रिय क्यों हो रहा है।

क्या है Little Treat Culture

लिटिल ट्रीट कल्चर का सीधा मतलब है खुद को छोटी-छोटी चीजों से खुश करना। इसके लिए किसी बड़े मौके या खास दिन का इंतजार नहीं किया जाता, अगर किसी दिन काम ज्यादा रहा या मूड खराब है, तो व्यक्ति अपनी पसंद की कॉफी ले सकता है, कुछ अच्छा खा सकता है या अपने लिए कोई छोटी चीज खरीद सकता है। यह सोच खास तौर पर उन लोगों के बीच नजर आ रही है, जो बड़े खर्चों को कम करके अपने बजट में छोटी खुशियों के लिए जगह बनाना चाहते हैं। यानी हर खुशी के लिए महंगी शॉपिंग या लज्जरी अनुभव जरूरी नहीं है।

राहुल गांधी की हाई टी बैठक से चर्चा में आया यह रिवाज, आखिर क्या होती है हाई टी



राहुल गांधी ने 13 अक्टूबर 2026 को दिल्ली स्थित अपने आवास पर सांसदों और दूसरे मेहमानों के लिए हाई टी का कार्यक्रम रखा है। इस कार्यक्रम के बाद हाई टी शब्द चर्चा में है और कई लोग जानना चाहते हैं कि यह सामान्य चाय से कैसे अलग होती है। हाई टी की शुरुआत ब्रिटेन में हुई थी, जहां शाम के समय चाय के साथ भरपेट भोजन किया जाता था। आजकल हाई टी में चाय के साथ सैंडविच, समोसे, कटलेट, केक, पेस्ट्री और दूसरे स्नेक्स परोसे जा सकते हैं। हाई टी और आफ्टरनून

टी को अक्सर एक जैसा समझ लिया जाता है, लेकिन पारंपरिक रूप से दोनों के समय और खाने में अंतर रहा है। भारत में होटल, कैफे, ऑफिस मीटिंग और पारिवारिक कार्यक्रमों में हाई टी का चलन देखने को मिलता है। घर पर भी चाय, नमकीन और मीठे व्यंजनों के साथ कम खर्च में हाई टी पार्टी आयोजित की जा सकती है।

भारत में चाय केवल एक ड्रिंक नहीं, बल्कि लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा है। सुबह उठने से लेकर शाम की थकान मिटाने तक, चाय पीने के कई

बहाने मिल जाते हैं। घर पर कोई मेहमान आ जाए तो सबसे पहले चाय पूछी जाती है और उसके साथ बिस्कुट, नमकीन या पकौड़े भी रख दिए जाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी हाई टी के बारे में सुना है?

हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की हाई टी को लेकर यह शब्द चर्चा में आ गया है। राहुल गांधी ने 13 अक्टूबर 2026 को अपने दिल्ली स्थित आवास पर कई सांसदों और दूसरे मेहमानों को हाई टी के लिए आमंत्रित किया है। इसके बाद लोगों के मन में सवाल उठ सकता है कि आखिर हाई टी

क्या होती है और क्या इसमें सामान्य चाय से कुछ अलग परोसा जाता है? दरअसल, हाई टी का मतलब सिर्फ महंगी चाय पीना नहीं है।

यह चाय के साथ खाने-पीने और मेहमानों के साथ समय बिताने का एक खास तरीका है, जिसकी शुरुआत ब्रिटेन में हुई थी। आज होटल, कैफे, घरों की पार्टियों और औपचारिक कार्यक्रमों में हाई टी का चलन देखने को मिलता है। इसमें चाय के साथ कई तरह के नमकीन और मीठे व्यंजन रखे जा सकते हैं। दिलचस्प बात यह है कि हाई टी और आफ्टरनून टी को अक्सर एक जैसा समझ लिया जाता है, जबकि पारंपरिक रूप से दोनों अलग हैं। आइए जानते हैं हाई टी का इतिहास, इसमें परोसे जाने वाले खाने और इसे घर पर तैयार करने के आसान तरीके के बारे में।

राहुल गांधी ने मेहमानों को हाई टी पर क्यों बुलाया?

13 अक्टूबर 2026 को राहुल गांधी ने नई दिल्ली के सुनहरी बाग रोड स्थित अपने आवास पर हाई टी का कार्यक्रम रखा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इसमें इंडिया गठबंधन के सांसदों के साथ सिविल सोसायटी और छात्र संगठनों के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है।

जन्मत से कम नहीं जंगल के बीच बना ये स्विमिंग पूल, खूबसूरती देखकर कहेंगे वाह! ऋषिकेश-मनाली को देता है टक्कर



रांची की तैमारा घाटी के घने जंगल के बीच एक खूबसूरत प्राकृतिक स्विमिंग पूल मौजूद है। यहां साफ पानी और शांति के बीच लोग नहाने और पिकनिक मनाने आते हैं। इसकी खूबसूरती मनाली और कश्मीर तक को टक्कर देती है। यहां नहाने के बाद आप इसकी तारीफ करते हुए थक जाएंगे।

झारखंड की राजधानी रांची की तैमारा घाटी घनघोर जंगल के लिए जानी जाती है, लेकिन बहुत लोग नहीं जानते हैं कि जंगल के बीचों बीच बड़ा ही खूबसूरत स्विमिंग पूल बना हुआ है। यह प्राकृतिक स्विमिंग पूल है और यहां पर लोग खासतौर पर नहाने और तैरने के लिए जाते हैं। अभी तक इस जगह को बहुत अधिक एक्सप्लोर नहीं किया गया है। इसलिए बहुत अधिक लोग नहीं आते हैं। इसकी खूबसूरती का कोई जवाब नहीं है। आइये जानते हैं इसके बारे में।

इसके लिए आपको रांची के तैमारा घाटी में आना होगा। जहां मां काली का मंदिर है और मंदिर के ठीक सामने आपको एक कच्ची सड़क देखने को मिलेगी। जंगल के अंदर जाते ही, बस जैसे ही आप अंदर थोड़ी दूर जाएंगे नीचे की तरफ आपको यह स्विमिंग पूल नजर आ जाएगा और यहां पर कुछ लोग नहाते हुए भी नजर आएंगे, जंगल के बीच में नहाने का मजा ही कुछ और है!

खूबसूरती है देखकर कहेंगे वाह!

यहां पर नहा कर जाते हुए सनी बताते हैं कि हम लोग कॉलेज से यहां पर आए थे और खूब सारा फोटो खींचा है। यहां नहाने के बाद बहुत मजा आ गया। आप बार-बार आएंगे, क्योंकि यह ही बहुत खूबसूरत जगह है।

झोपड़ी से शुरू हुआ सफर , अब पांचवीं पीढ़ी संभाल रही विरासत; 800 लीटर दूध से बनती है बालूशाही

बिहार के सीतामढ़ी जिले का भुतही गांव अपनी ऐतिहासिक मिठास के लिए देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी खास पहचान बनाया हुआ है। यहां पिछले 150 से 200 वर्षों से चली आ रही पारंपरिक ‘बालूशाही’ स्वाद के शौकीनों के बीच बेहद लोकप्रिय है। मिट्टी और झोपड़ी की छोटी सी दुकान से शुरू हुआ यह सफर आज पांचवीं पीढ़ी तक पहुंच चुका है। सबसे खास बात यह है कि 10 दिनों तक बिना खराब हुए तरोताजा रहने वाली यह मिठाई अपनी शुद्धता और पारंपरिक विधि के कारण आज भी हर वर्ग की पहली पसंद बनी हुई है।

भुतही बाजार स्थित सबसे पुराना सुंदर मिष्ठान भंडार के वर्तमान संचालक और स्वर्गीय लक्ष्मी साह के चौथी पीढ़ी के वंशज पवन कुमार बताते हैं कि इस दुकान की नींव उनके परदादाजी ने रखी थी। शुरुआत में झोपड़ी में बनने वाली यह मिठाई धीरे-धीरे अपनी



गुणवत्ता के बल पर दूर-दूर तक प्रसिद्ध हो गई। पवन कुमार के अनुसार, 1980-85 के दशक में जहां यह बालूशाही 40 से 45 रुपये प्रति किलो बिकती थी।

शुरुआती दिनों में इसकी कीमत महज 15 से 20 रुपये थी। आज समय के साथ बदलाव जरूर आया है और वर्तमान में यह 200 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बिक रही है, लेकिन इसके पारंपरिक स्वाद में कोई कमी नहीं आई है। जहां बाजार में अमूमन बालूशाही बनाने के लिए मैदा या सूजी का ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है।

वहीं, भुतही की बालूशाही की असली यूएसपी इसका शुद्ध छेना है। कारीगर राजकुमार साह, जो पिछले 20 वर्षों से यहां काम कर रहे हैं, बताते हैं कि वे किसी भी तरह के मिल्क पाउडर या मिलावटी चीजों का प्रयोग नहीं करते हैं। यहां शुद्ध भैंस के दूध से छेना तैयार किया जाता है। 7 किलो छेना में केवल 200 से 300 ग्राम सूजी मिठाई को खिलने के लिए मिलाई जाती है। इसके अलावा, इसे पकाने के लिए एलपीजी गैस के बजाय कोयले की भट्ठी और गाय के गोबर के उपलों का इस्तेमाल होता है, जिससे इसमें एक खास सौंधा स्वाद आता है।

?भुतही की इस बालूशाही की मांग का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहां एक दुकान में रोजाना लगभग 8 विंटल (800 लीटर) शुद्ध दूध की खपत होती है। स्थानीय गांव-देहात और आसपास के इलाकों जैसे बिसनपुर और संपुर

के वेंडर हर सुबह ताजा दूध लेकर पहुंचते हैं। कारीगरों की मेहनत और शुद्धता के चलते यहां रोजाना औसतन 6 से 7 विंटल बालूशाही तैयार होकर हाथों-हाथ बिक जाती है। 10 किलो छेना को पकाने के

लिए लगभग 20 किलो चीनी की चाशानी का उपयोग किया जाता है। इसमें कोई तेल या घी का प्रयोग नहीं किया जाता है और नहीं इसे फ्राई किया जाता है। ये चीनी की चाशानी में पकता है।

?भुतही की बालूशाही की शैल्फ लाइफ यानि टिकाऊपन इसमें कोई तेल या घी का प्रयोग नहीं किया जाता है और नहीं इसे फ्राई किया जाता है। ये चीनी की चाशानी में पकता है।



अर्जुन बिजलानी ने पत्नी नेहा के साथ काम शो करने के पीछे बताई वजह

बोले- मस्ती और धमाल होगा

मुंबई। अभिनेता अर्जुन बिजलानी इन दिनों पत्नी नेहा स्वामी के साथ कपल रियलिटी शो 'धमाल विद पति पत्नी और पंगा सीजन 2' में नजर आ रहे हैं। कपल ने आईएनएस के साथ बातचीत में शो को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की।

अर्जुन बिजलानी ने आईएनएस के साथ बातचीत में नेहा और अपनी जोड़ी को आइडियल कपल बताया। उन्होंने कहा, "धमाल विद पति पत्नी और पंगा सीजन 2' एक एंटरटेनिंग शो है। सच कहूँ, तो मुझे नेहा के साथ शो करना भी था क्योंकि वह बहुत टैलेटेड हैं और उनके साथ शो करने में मजा, मस्ती, धमाल और बहुत सारे पंगे भी होंगे।"

“मुझे लगता है कि 'धमाल विद पति पत्नी और पंगा सीजन 2' के लिए हम एक आइडियल कपल हैं। इसलिए हमने शो के लिए हां कहा।”
- अर्जुन बिजलानी
अभिनेता

नेहा ने कहा-
“अर्जुन के साथ ज्यादा समय बिताने का मिला मौका”

अभिनेता अर्जुन बिजलानी की पत्नी नेहा स्वामी ने शो के लिए उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा कि इस शो के जरिए उन्हें अर्जुन बिजलानी के साथ ज्यादा समय बिताने का अवसर मिला। नेहा ने कहा, “अर्जुन बहुत व्यस्त रहता है, तो हमने सोचा कि इस शो में हम साथ में समय बिताएंगे और शो बहुत अलग है। इसे करके हमें मजा आ रहा है और मस्ती, पंगा करने का पूरा मौका मिल रहा है। शूट में जाने से पहले हमें बहुत उत्सुकता रहती है और मैं, तो सोचती रहती हूँ कि शूट पर जाकर और अर्जुन के साथ पंगे करूंगी।”

नेहा स्वामी के बारे में

नेहा स्वामी पहले मॉडल और एक्ट्रेस रह चुकी हैं और टीवी शो 'काली एक पुनर्जन्म' में नजर आ चुकी हैं। शादी के बाद उन्होंने अपना पूरा ध्यान परिवार पर केंद्रित कर दिया।

शो की खास बातें

- कपल्स के बीच मजेदार टास्क
- मस्ती, धमाल और पंगे
- नए-नए सरप्राइज और ट्विस्ट
- दर्शकों के लिए भरपूर मनोरंजन

कपल की लव स्टोरी

अर्जुन बिजलानी और नेहा स्वामी की पहली मुलाकात किसी क्लोज फ्रेंड के यहां हुई थी, जहां अर्जुन अपने एक दोस्त के साथ गए थे। काफी समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद उन्होंने शादी का फैसला किया था और 20 मई 2013 में शादी की थी। कपल का एक बेटा है, जिसका नाम अयान बिजलानी है। हालांकि, बीच में दोनों के तलाक की खबरें उड़ी थीं लेकिन अर्जुन ने स्पष्ट कर सभी बताया कि उनकी शादी बहुत अच्छी चल रही है।

अध्ययन सुमन स्टारर 'मैं न रहा मेरा' की रिलीज टली, बॉक्स ऑफिस क्लेश से बचने के लिए मेकर्स ने लिया फैसला

विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेता अध्ययन सुमन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'मैं ना रहा मेरा' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में प्यार, दिल टूटने और अहंकार के बीच उलझे रिश्तों की कहानी देखने को मिलेगी। अध्ययन के लिए यह फिल्म काफी खास है और वह चाहते हैं कि दर्शक इसकी कहानी से भावनात्मक रूप से जुड़ सकें। हालांकि, फिल्म देखने के लिए दर्शकों को अब थोड़ा और इंतजार करना होगा। मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट टाल दी है।

दरअसल, बॉक्स ऑफिस पर दूसरी फिल्मों के साथ होने वाले मुकाबले को देखते हुए, मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ाने का फैसला किया है। पहले यह फिल्म 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब यह 11 दिसंबर, 2026 को रिलीज होगी।

अध्ययन सुमन के साथ इस फिल्म में दिविता राय भी नजर आएंगी। मेकर्स ने अक्टूबर में कई फिल्में की रिलीज को देखते हुए तारीख में बदलाव किया है। अक्टूबर में कई फिल्मों के एक साथ रिलीज होने से मुकाबला काफी कड़ा होने की उम्मीद है। ऐसे में मेकर्स को लगा कि दिसंबर में फिल्म को रिलीज करने से इसे दर्शकों तक पहुंचने का बेहतर मौका मिल सकता है।

रलीज डेट में बदलाव को



लेकर अध्ययन सुमन ने कहा, “ 'मैं ना रहा मेरा' मेरे लिए बेहद निजी फिल्म है और हम चाहते हैं कि दर्शक इसकी भावनाओं को उसी तरह महसूस करें, जिस तरह हमने इसकी कल्पना की है। फिल्म में प्यार, दिल टूटने और अहंकार की उलझनों को दिखाया गया है। ऐसे में हमारे लिए इसकी रिलीज का सही समय चुनना जरूरी था। 23 अक्टूबर को कई फिल्में रिलीज होने वाली थीं। हमें लगा कि 11 दिसंबर को फिल्म रिलीज करने से इसे दर्शकों का ध्यान पाने का बेहतर मौका मिलेगा।”

फिल्म के प्रोड्यूसर धर्मेस संधानी ने भी रिलीज डेट बदलने के फैसले पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि एक प्रोड्यूसर की जिम्मेदारी सिर्फ फिल्म बनाना नहीं, बल्कि उसे सिनेमाघरों में दर्शकों तक पहुंचने का सही मौका देना भी है। उनके मुताबिक, 23 अक्टूबर को कई फिल्मों के रिलीज होने से मुकाबला बढ़ रहा था। सभी बातों पर विचार करने के बाद टीम ने 11 दिसंबर की तारीख को बेहतर समझा।

माइकल जैक्सन से मिलने से ज्यादा नौवारी साड़ी पहनने की थी खुशी, सोनाली बेंद्रे ने सुनाया 1996 का किस्सा



विश्व केसरी■

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे ने पाप स्टार माइकल जैक्सन से जुड़ी एक पुरानी याद शेयर की है। सोनाली ने बताया कि जब माइकल जैक्सन पहली बार भारत आए थे, तब मुंबई में उनका स्वागत करने का मौका उन्हें मिला था। हालांकि, उस वक्त सोनाली माइकल जैक्सन से मिलने को लेकर उतनी उत्साहित नहीं थीं, जितनी महाराष्ट्र की पारंपरिक नौवारी साड़ी पहनने को लेकर थीं।

अभिनेत्री ने यह दिलचस्प किस्सा सोनी मराठी के शो 'कौन

होणार करोडपति' के ग्रैंड प्रीमियर एपिसोड में सुनाया, जहां वह शो की होस्ट माधुरी दीक्षित के साथ बातचीत कर रही थीं।

शो के दौरान माधुरी दीक्षित ने सोनाली से माइकल जैक्सन के भारत दौरे के बारे में पूछा। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि जब माइकल जैक्सन मुंबई पहुंचे थे, तब पारंपरिक नौवारी साड़ी पहनकर उनका स्वागत करने का अनुभव कैसा रहा था।

इस पर सोनाली ने बताया कि उस समय उन्हें माइकल जैक्सन का स्वागत करने से ज्यादा खुशी अपने

दोस्तों और परिवार के लिए फ्री टिकट मिलने की थी। उन्होंने कहा, “सच कहूँ तो मैं उस वक्त उनकी इतनी बड़ी फैन नहीं थी। मुझे बताया गया था कि इस कार्यक्रम के लिए मराठी लड़कियों को बुलाना है। उस वक्त मुझे अपने दोस्तों और परिवार के लिए फ्री टिकट भी मिले थे।”

सोनाली ने बताया कि उनके लिए नौवारी साड़ी पहनना अपने आप में एक खास अनुभव था। इसकी वजह उनकी दादी थीं, जो नौवारी साड़ी पहना करती थीं। सोनाली को बचपन से ही इस पारंपरिक साड़ी को पहनने का शौक था।

अभिनेत्री ने कहा, “नौवारी साड़ी पहनना बहुत मजेदार था, क्योंकि मेरी दादी भी इसे पहना करती थीं। मुझे हमेशा से इसे पहनने का शौक था। मुझे लगता है कि यह सबसे ग्रेसफुल साड़ी है। इसलिए मैं इसे पहनने को लेकर काफी एक्साइटेड थी।”

सोनाली ने कहा, “जब मैंने माइकल जैक्सन को लाइव परफॉर्म करते देखा, तब मुझे समझ आया कि वह कितने शानदार कलाकार हैं। उनके गाने, डांस और लगातार परफॉर्म करने की एनर्जी ने मुझे काफी प्रभावित किया। इसके बाद मैं भी उनकी फैन बन गई।”

जैक्सन अक्टूबर 1996 में अपने 'हिस्ट्री वर्ल्ड टूर' के तहत भारत आए थे।

रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' हिंदी में भी होगी रिलीज, निर्माताओं ने दी जानकारी



विश्व केसरी■

मुंबई। सुपरस्टार रजनीकांत अभिनीत आगामी फिल्म 'जेलर 2' के निर्माताओं ने फिल्म की हिंदी रिलीज को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया है।

सोमवार को फिल्म के पब्लिसिस्ट ने निर्माताओं की ओर

से एक बयान जारी कर उन खबरों का खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि फिल्म हिंदी में रिलीज नहीं होगी।

बयान में कहा गया, 'हाल की मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि 'जेलर 2' हिंदी में रिलीज नहीं होगी। हम आधिकारिक तौर पर स्पष्ट करना चाहते हैं कि

फिल्म का हिंदी संस्करण 15 अक्टूबर को अन्य भाषाओं के साथ निर्धारित योजना के अनुसार सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।’

निर्माताओं ने आगे कहा, 'फिल्म को उत्तर भारत में पेन मरुधर एंटरटेनमेंट द्वारा वितरित किया जाएगा। हिंदी में थिएटर

रिलीज के निर्धारित कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हम सभी मीडिया संस्थानों और प्लेटफॉर्म से अनुरोध करते हैं कि वे इस स्पष्टीकरण पर ध्यान दें और फिल्म को रिलीज को लेकर किसी भी अप्रुष्ट जानकारी का प्रसार न करें। मीडिया के निरंतर सहयोग और समर्थन के लिए हम आभारी हैं।

'जेलर 2', साल 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जेलर' का सीक्वल है। इस फिल्म में रजनीकांत एक बार फिर रिटायर्ड जेलर टाइगर मुथुवेल पांडियन की भूमिका में नजर आएंगे, जो अपराधी नेटवर्क और अपने परिवार को मिल रही धमकियों से

जुड़े एक नए खतरनाक संघर्ष में उलझ जाते हैं।

फिल्म में मोहनलाल, शिव राजकुमार, जैकी श्राफ, मिथुन चक्रवर्ती, विद्या बालन, एस.जे. सुर्या और सूरज वेंजारामुडू भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। वहीं अनिरुद्ध रविचंद्र ने फिल्म का संगीत दिया है।

फिल्म के ट्रेलर में बड़े स्तर का एक्शन, डार्क ह्यूमर और दमदार टकराव देखने को मिलता है। रजनीकांत ने कहा है कि उन्होंने इस सीक्वल के लिए इसलिए सहमति दी क्योंकि पहली फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने की पर्याप्त गुंजाइश

पहले क्रश से सालों बाद मिलने की बेचैनी, दर्शन रावल के गाने 'जाने किस मोड़ पे' में दिखेगा प्यार का रंग

विश्व केसरी■

मुंबई। अक्सर हम जिंदगी में आगे तो बढ़ जाते हैं, लेकिन कुछ रिश्ते और उनसे जुड़ी यादें दिल में हमेशा बनी रहती हैं। इसी तरह की भावनाओं को 'जाने किस मोड़ पे' गाना करता है। यह गाना अपकमिंग फिल्म 'पहला प्यार दूसरी बार' का नया ट्रैक है, जिसे सिंगर दर्शन रावल ने गाया है।

उन्होंने बताया कि गाने में पुराने रिश्तों से दोबारा जुड़ने की खुशी, मन में उठने वाली हल्की बेचैनी और बीते दिनों को फिर से जीने का एहसास है।

दर्शन रावल ने कहा, “मुझे इस गाने की सबसे खास बात इसका पुरानी यादों से जुड़ा एहसास और इसमें छिपी उम्मीद लगी। मैं चाहता हूँ कि गाना सुनने वाले लोग भी अपनी जिंदगी के उन खास पलों को याद करें, जिनका उनके दिल में आज भी अलग स्थान है। कभी-कभी किसी ऐसे इंसान से दोबारा मिलने का ख्याल भी अपने आप में खास होता है, जो कभी हमारी जिंदगी को हल हिस्सा रहा हो। ऐसे में मन में कई सवाल



उठते हैं कि इतने समय बाद मिलने पर कैसा लगेगा और क्या पहले जैसा अपनापन महसूस होगा।”

गाने के म्यूजिक कंपोजर रोचक कोहली

ने भी इसके पीछे की भावना के बारे में बात लगेगी और क्या पहले जैसा अपनापन तरह है, जिसमें इंसान को पता नहीं होता कि आखिर में उसके लिए क्या इंतजार कर रहा

है। म्यूजिक के जरिए हमने उस उत्साह और खबराहत को दिखाने की कोशिश की है, जो कई साल बाद अपने पहले क्रश से मिलने पर महसूस होती है। दर्शन रावल की आवाज गाने में गर्मजोशी और एक अलग एहसास लेकर आती है, जबकि गीतकार गुरप्रीत सैनी के बोल इस भावना को और खूबसूरती से सामने रखते हैं।

गीतकार गुरप्रीत सैनी ने कहा, “'जाने किस मोड़ पे' प्यार की उम्मीद और जिंदगी में अनजाने तरीकों से मिलने वाले रिश्तों की कहानी कहता है। मैंने गाने के बोल बेहद आसान रखे हैं, ताकि वे फिल्म के किरदारों की भावनाओं से मेल खा सकें। फिल्म की कहानी में किरदार स्कूल रीयूनिनग के लिए एक साथ आगे बढ़ते हैं। हर किसी के मन में दोस्ती के साथ रोमांस की भी एक उम्मीद है। गाने में जवानी, दोस्ती और रोमांस का खूबसूरत मेल है, जिसे रोचक के म्यूजिक ने जीवंत बना दिया है। फिल्म 'पहला प्यार दूसरी बार' के मेकर्स ने हाल ही में इस गाने को रिलीज किया है।

मां बनने के बाद काम पर लौटें दिव्यांका त्रिपाठी, बोली- बाउंस बैक जैसा कुछ नहीं होता

विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी इन दिनों पति विवेक दहिया के साथ कपल रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में जुड़वा बच्चों के जन्म के बाद काम करने की चुनौतियों पर बात की।

अभिनेत्री ने बताया कि बच्चों को कुछ समय के लिए अकेले छोड़ना बहुत मुश्किल हो गया है, क्योंकि वे बड़े हो रहे हैं और अपने आसपास की चीजों को एक्सप्लोर कर रहे हैं। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि जैसे-जैसे बच्चे बड़े हो रहे हैं, उनकी देखभाल का

अनुभव भी बदल रहा है।

दिव्यांका त्रिपाठी ने कहा, 'इस स्टेज पर बच्चों को संभालना आसान है, क्योंकि अभी बस वह सोते और खाते हैं लेकिन मुझे पता है कि अब उनके घुटनों के बल चलने का समय आएगा। उन्होंने धीरे-धीरे खुद को आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है। मेरे लिए तो उन्हें दो से चार मिनट के लिए भी अकेला छोड़ना मुश्किल है। इसलिए मुझे उन्हें सैट पर भी साथ ले जाना पड़ता है। हालांकि, यह आसान नहीं है।’

अभिनेत्री ने बताया कि लोगों को इस बात पर भी हैरानी होती है

कि वो इतनी जल्दी काम पर कैसे लौट आईं। उन्होंने कहा, “मैं हमेशा कहती हूँ कि महिलाएं ऐसे ही 'बाउंस बैक' नहीं कर लेतीं। देखिए, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। भले ही हम एक्ट्रेस कैमरे के सामने हंसती-मुस्कराती दिखती हैं लेकिन शरीर के अंदर दर्द, थकान और दिमाग में कम्प्यूजन जैसा रहता है।

अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें काम पर लौटने की जरूरत नहीं थी लेकिन वे फिर भी लौटतीं। क्योंकि एक मां के लिए घर पर बैठना भी आसान नहीं और काम करना भी आसान नहीं।

भारत ने भूटान को सौंपे 290 करोड़, 13वीं पंचवर्षीय योजना की परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार

विश्व केसरी■

थिम्पू। भारत ने भूटान की 13वीं पंचवर्षीय योजना के तहत चल रही कई विकास परियोजनाओं के लिए अपनी प्रतिबद्धता के तहत 290 करोड़ रुपए (आईएनआर/नू. 2.90 अरब) की राशि भूटान के वित्त मंत्रालय को सौंपी है। इसकी जानकारी मंगलवार को थिम्पू स्थित भारतीय दूतावास ने दी।

भारत और भूटान के बीच भूटान की 13वीं पंचवर्षीय योजना के तहत 19वीं मासिक समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत की मदद से भूटान में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति और आगे की कार्ययोजना पर चर्चा हुई।

बैठक के दौरान भारतीय पक्ष ने भूटान के वित्त मंत्रालय को 290 करोड़ रुपए के चेक सौंपे। यह राशि 13वीं पंचवर्षीय योजना के तहत विभिन्न परियोजनाओं के लिए भारत सरकार की वित्तीय सहायता का हिस्सा है।



भारतीय दूतावास के अनुसार, बैठक में भारतीय मिशन और भूटान की शाही सरकार (आरजीओबी) के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। भारत ने भूटान के साथ अपने सहयोग और समन्वय को आगे भी जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस सहायता से जिन परियोजनाओं को समर्थन मिलेगा, उनमें रॉयल यूनिवर्सिटी ऑफ भूटान (आरयूबी) के कॉलेजों में आधुनिक और बेहतर बुनियादी ढांचे का विकास, मानव संसाधन विकास और कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम, शिक्षकों और छात्रों के लिए प्रशिक्षण एवं

मध्य पूर्व के हालात गंभीर, संघर्ष जल्द रोकना जरूरी : रेडक्रॉस अध्यक्ष

विश्व केसरी■

जिनेवा। इंटरनेशनल कमिटी ऑफ द रेड क्रॉस (आईसीआरसी) की अध्यक्ष मिर्जना स्पोलजारिक ने चेतावनी दी है कि मिडिल ईस्ट इलाके में संघर्ष बढ़नेसे करोड़ों आम लोगों के लिए हालात बहुत बुरे हो जाएंगे।

स्पोलजारिक ने एक बयान जारी कर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। ये बयान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी शेयर किया गया। इसमें उन्होंने कहा, 'मिडिल ईस्ट में सैन्य अभियान की आम लोगों को बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। हाल के दिनों में सऊदी और जबरदस्त तबाही इस बात का उदाहरण है कि लड़ाई-झगड़े या हमलों से आम लोगों पर कितना बुरा असर पड़ रहा है।'

आईसीआरसी चीफ ने कहा, 'यमन के एडेन और सना भी में भी तबाही मची हुई है। लोगों की मौत,



सैन्य ठिकानों के बीच फर्क करना होगा। बंदरगाहों, हवाई अड्डों और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमलों का दायरा तेजी से बढ़ रहा है। पूरे मिडिल ईस्ट में बुनियादी ढांचों या फिर रिहायशी इलाकों पर बार-बार हमले हुए हैं और लोगों की जान गई है। स्पोलजारिक ने कहा कि आम लोगों और आम लोगों से जुड़ी चीजों पर हमले रोकना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा, 'लड़ाई में शामिल सभी पक्षों को आम नागरिकों, उनसे जुड़ी चीजों और

सैन्य ठिकानों के बीच फर्क करना होगा। बंदरगाहों, हवाई अड्डों और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमलों का दायरा तेजी से बढ़ रहा है। पूरे मिडिल ईस्ट में बुनियादी ढांचों या फिर रिहायशी इलाकों पर बार-बार हमले हुए हैं और लोगों की जान गई है। स्पोलजारिक ने कहा कि आम लोगों और आम लोगों से जुड़ी चीजों पर हमले रोकना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा, 'लड़ाई में शामिल सभी पक्षों को आम नागरिकों, उनसे जुड़ी चीजों और सैन्य संघर्ष की आग में जल रहा है।

संक्षिप्त खबर

महंत स्वामी महाराज ने लंदन में अक्षर-पुरुषोत्तम संस्कृत पाठशाला का किया उद्घाटन

विश्व केसरी■

लंदन। लंदन में संस्कृत के अध्ययन और संवाद के लिए एक नया केंद्र स्थापित हुआ, जब महंत स्वामी महाराज ने बीएपीएस श्री स्वामिनारायण मंदिर में अक्षर-पुरुषोत्तम संस्कृत पाठशाला का उद्घाटन किया। यह मंदिर लोकप्रिय रूप से निअस्टेन टेम्पल के नाम से जाना जाता है। इस पाठशाला की स्थापना महंत स्वामी महाराज की उस इच्छा को साकार करती है, जिसे उन्होंने 24 सितंबर को सत्संग दीक्षा सम्मान महोत्सव के दौरान लिखे पत्र में व्यक्त किया था-लंदन प्रवास के समय मंदिर में संस्कृत विद्यालय शुरू किया जाए। उन्होंने स्वयं इस संस्था का नाम भी रखा। औपचारिक शुभारंभ से पहले ही लगभग 350 युवा विद्यार्थी संस्कृत-अध्ययन से जुड़ चुके थे। सभा को संबोधित करते हुए महामहोपाध्याय भद्रेशदास स्वामी ने संस्कृत-अध्ययन की उस परंपरा का उल्लेख किया, जिसकी प्रेरणा भगवान स्वामिनारायण से मिलती है। उन्होंने संतों को संस्कृत और शास्त्रों का अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया तथा उच्च शिक्षा के लिए अनेक संतों को काशी भेजा। 1961 में योगीजी महाराज ने मुंबई में अक्षर-पुरुषोत्तम संस्कृत पाठशाला की स्थापना की। 1973 में प्रमुखस्वामी महाराज ने सारंगपुर में यज्ञपुरुष संस्कृत पाठशाला शुरू की।

दो सड़क हादसों में पांच लोगों की मौत

विश्व केसरी■

पश्चिमी सिंहभूम/गिरिडीह। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम और गिरिडीह जिले में हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

पश्चिमी सिंहभूम में मंगलवार को ट्रेलर और कार की आमने-सामने की टक्कर में तीन लोगों की जान चली गई। वहीं, गिरिडीह में सोमवार-मंगलवार की रात जन्मदिन की पार्टी से लौट रहे दो युवकों की बाइक को अज्ञात मालवाहक वाहन ने टक्कर मार दी। मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। पश्चिमी सिंहभूम जिले के हाटामहरिया थाना क्षेत्र के कुदामी डाउन के पास ट्रेलर और कार के बीच जोरदार टक्कर हुई। हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार में सवार आठ से नौ महीने का एक बच्चा सुरक्षित बच गया। उसे मामूली खरोंचें आई हैं और चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। पुलिस के अनुसार, कार सवार परिवार छत्तीसगढ़ की ओर से टायनगर जा रहा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे ट्रेलर ने कार को टक्कर मार दी। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बहाल इलाक के लिए जमशेदपुर रेफर कर दिया गया। ट्रेलर चालक हादसे के बाद फरार हो गया। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। दूसरी घटना गिरिडीह जिले के मुफ़सिल थाना क्षेत्र में बदडीहा के पास हुई। यहां दोस्त का जन्मदिन मनाकर बाइक से घर लौट रहे सूरज तुरी (22) और तुलसी दास की अज्ञात मालवाहक वाहन को टक्कर से मौत हो गई।

भारतीय सेना का सैन्य कौशल, इंग्लैंड में जीता जटिल पेट्रोलिंग का स्वर्ण पदक

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। इंग्लैंड के वेल्स में आयोजित कैम्ब्रियन पेट्रोलिंग 2026 प्रतियोगिता में भारतीय दल ने स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। सेना के जवान यहां करीब 48 घंटे तक दुर्गम पहाड़ी इलाकों में लगातार आगे बढ़ते रहे।

हर कदम पर शारीरिक क्षमता, मानसिक मजबूती और सैन्य कौशल की परीक्षा थी। कठिन रास्तों पर आगे बढ़ने के साथ दुरुमन की टोह लेना, सही दिशा पहचानना, घायल सैनिकों को सुरक्षित निकालना और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में तुरंत निर्णय लेना भी जरूरी था। इन सब चुनौतियों को पार करके जवानों ने अपना मिशन बखूबी पूरा किया।

इस कामयाबी के साथ ही भारतीय सेना की असम रेजिमेंट के जवानों ने ब्रिटेन में अपनी बहादुरी, दमखम और सैन्य कौशल का लोहा मनवाया है। यहां दुनिया भर की 100 से अधिक टीमों के सीमा और कठिन सैन्य कार्यों के बीच चुनौती का सामना करते हुए भारतीय जवान उन चुनिंदा 10 टीमों में शामिल

रहे, जिन्हें स्वर्ण पदक मिला।

सेना के मुताबिक यह कोई सामान्य सैन्य प्रतियोगिता नहीं थी। ब्रिटिश सेना की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में वास्तविक युद्ध जैसी परिस्थितियां तैयार की जाती हैं। समय की सख्त सीमा और कठिन सैन्य कार्यों के बीच टीमों को अपनी क्षमता साबित करनी होती है।

काला सागर में वाणिज्यिक जहाजों पर रूसी ड्रोन हमला

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने बताया कि बुल्गारिया के समुद्री क्षेत्र के पास वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाकर किए गए रूसी ड्रोन हमले में यूक्रेन और अजरबैजान के नागरिक घायल हुए हैं। यूरोपियन कमिशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भी इस हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि रूस के लिए काला सागर दबाव बढ़ाने का एक नया मोर्चा बन गया है।

मंत्री सिबिहा ने कहा कि रूस काला सागर के जरिए वैश्विक खाद्य सुरक्षा को निशाना बनाकर भूख को हथियार के रूप में इस्तेमाल करना चाहता है, ताकि पूरी दुनिया पर दबाव बना सके। काला सागर में समुद्री सुरक्षा की पूरी तरह अनदेखी कर रहा है। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में इन हमलों की जानकारी साझा की।

सिबिहा ने पोस्ट में लिखा, 'रूस की ओर से बुल्गारिया के समुद्री क्षेत्र के पास वाणिज्यिक जहाजों पर किया गया हमला दिखाता है कि मास्को नागरिकों की सुरक्षा और काला सागर में समुद्री सुरक्षा की पूरी



तरह अनदेखी कर रहा है। इन हमलों में यूक्रेन और अजरबैजान के नागरिक घायल हुए हैं। हम अपने साझेदार देशों से अपील करते हैं कि वे रूस पर दबाव और बढ़ाएं, ताकि जवाबदेह ठहराने तथा समुद्री रास्तों की स्वतंत्र आवाजाही की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाएं।'

सिबिहा ने कहा कि काला सागर वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण जीवरेखा है। रूस इस क्षेत्र को निशाना बनाकर भूख को हथियार की तरह इस्तेमाल करना चाहता है और पूरी दुनिया पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। इसका जवाब मजबूती और दृढ़ कार्रवाई से दिया जाना चाहिए।

सत्ता गंवाने वालों के लिए कोई दवा नहीं : केरल स्वास्थ्य मंत्री

विश्व केसरी■

तिरुवनंतपुरम। केरल के स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने मंगलवार को विधानसभा में वामपंथी विपक्ष का मजाक उड़ाते हुए कहा कि राज्य में केवल एक ही दवा उपलब्ध नहीं है, और वह है सत्ता गंवाने से पीड़ित लोगों के इलाज के लिए जरूरी दवा। सरकारी अस्पतालों में दवाओं की कथित कमी पर बहस के दौरान इस टिप्पणी से तीखी बहस छिड़ गई।

यह टिप्पणी तब आई जब सीपीआई (एम) विधायक के.वी. सुमेष ने हेल्थकेयर सेक्टर में संकट पर स्थगन प्रस्ताव पेश किया और आरोप लगाया कि राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था वेंटिलेटर पर है। मुरलीधरन ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि जिन समस्याओं को वे उजागर कर रहे हैं, वे स्वास्थ्य विभाग में मौजूद ही नहीं हैं। मंत्री ने पिछली एलडीएफ



सरकार पर मार्च में दवाओं के लिए खरीद आदेश न देने का आरोप लगाया, जिसका कारण कथित तौर पर आदर्श आचार संहिता बताया गया। उन्होंने पिछली सरकार पर दवा कंपनियों का भारी बकाया न चुकाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केवल 24 तरह की दवाओं की कमी है और इस समस्या को दूर करने के लिए तत्काल कदम उठाए गए हैं। सुमेष ने इस मुद्दे को हल्के में लेने के लिए मंत्री की आलोचना की। उन्होंने पूछा कि लोगों ने मौजूदा सरकार को क्यों चुना, अगर

उसे केवल पिछली सरकार की कमियों के बारे में ही बात करनी थी। दवाओं की कमी पर मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए, उन्होंने मांग की कि मंत्री अपने विभाग की समस्याओं को समझें। विपक्ष ने आरोप लगाया कि राजनीतिक कारणों से तबादेले किए जा रहे हैं और मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की। मंत्री ने विपक्ष पर एजेंडों की ओर से बोलने का आरोप लगाया और उनके आरोपों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए आरोप करार दिया, जिससे नए सिरे से विरोध शुरू हो गया।

उज्जैन के सिंहस्थ कुंभ से इंदौर का महत्व बढ़ेगा : सीएम मोहन यादव

विश्व केसरी■

इंदौर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि वर्ष 2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ से इंदौर का महत्व और बढ़ेगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इंदौर में एक निजी होटल का शुभारंभ करते हुए कहा है कि मध्यप्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। प्रदेश में आधुनिक सुविधाओं से युक्त होटल एवं अन्य बड़ी परियोजनाओं में निवेश से पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ ही आर्थिक गतिविधियों का विस्तार हो रहा है और जहात के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि वर्ष 2028 में उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ को देखते हुए इंदौर का महत्व और अधिक बढ़ गया है। उज्जैन के निकट होने के कारण इंदौर में



पर्यटकों, श्रद्धालुओं और व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़े लोगों की आवाजाही में वृद्धि होगी। ऐसे में कॉर्पोरेट जगत की बैठकों, व्यापारिक आयोजनों और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होटल्स की महती भूमिका होती है। उन्होंने होटल के शुभारंभ पर बधाई देते हुए कहा कि नवरात्रि के पावन पर्व पर अहिल्या की नगरी इंदौर को यह नई सुविधा मिलना विशेष महत्व रखता है। दरअसल

वर्ष 2028 में उज्जैन में सिंहस्थ का आयोजन होने वाला है। इसके लिए उज्जैन सहित उसके आसपास के इलाके में विकास कार्य तेजी से चल रहे हैं, तो वहीं पर्यटकों के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए होटल आदि का भी निर्माण हो रहा है। सीएम मोहन यादव ने कहा कि होटल पर्यटन, व्यापार और कॉर्पोरेट गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के साथ ही इंदौर की आधुनिक आतिथ्य सुविधाओं को और मजबूत करेगा।

मद्रास हाईकोर्ट ने एआईएडीएमके के 6 विधायकों के इस्तीफे को मंजूरी दी

विश्व केसरी■

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु विधानसभा स्पीकर के उस फैसले को सही ठहराया है, जिसमें उन्होंने एआईएडीएमके के उन छह विधायकों के इस्तीफे स्वीकार किए थे जिन्होंने विश्वास मत के दौरान टीवीके सरकार का समर्थन किया था और बाद में सत्ताधारी पार्टी में शामिल हो गए थे।

एआईएडीएमके के व्हिप एण्डी एस. कृष्णमूर्ति और अन्य



लोगों की याचिका को खारिज करते हुए कोर्ट ने फैसला सुनाया कि अयोग्यता की लंबित इस्तौफों को टीवीके सरकार को राहत मिली है। हालांकि बेंच ने यह साफ कर

दिया कि इस्तीफे से छह पूर्व विधायकों के खिलाफ अयोग्यता की कार्यवाही खत्म नहीं होगी।

चीफ जस्टिस सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और जस्टिस जी. अरुल मुरुगन की बेंच ने माना कि इस्तीफे असली और स्वेच्छा से दिए गए थे। इसने विधानसभा में सीटों के खाली होने की घोषणा को भी संवैधानिक रूप से सही ठहराया।

जजों ने कहा कि एक बार इस्तीफों की अंशलिपि और उनके स्वेच्छा से दिए जाने की

बात साबित हो जाने के बाद, स्पीकर के लिए इस्तीफों के पीछे के कथित कारणों की विस्तृत जांच करने की जरूरत नहीं थी।

फैसले को चुनौती देने के बारे में आयोग्यता की कार्यवाही लंबित रहने के बावजूद उनके इस्तीफे स्वीकार कर लिए थे। सत्ताधारी पार्टी में शामिल होने से पहले, इन छह विधायकों ने विश्वास प्रस्ताव के दौरान टीवीके सरकार के पक्ष में क्रॉस-वोटिंग की थी।

शुभमन गिल और शेफाली वर्मा ने पुरुष और महिला वर्ग में जीता आईसीसी ‘प्लेयर ऑफ द मंथ’ पुरस्कार



विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। भारतीय वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल और महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को सितंबर महीने के लिए पुरुष और महिला श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया है। यह तीसरी बार है जब भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेटरों को एक साथ किसी महीने के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के तौर पर चुना गया है।

गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद सितंबर महीने के लिए आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता है। गिल ने पांचवीं बार यह सम्मान हासिल किया है। उन्होंने पुरुष कैटेगरी में सबसे ज्यादा बार यह खिताब जीतने के अपने रिकॉर्ड को और आगे बढ़ाया है। शेफाली वर्मा ने विमेंस एशिया कप और एशियन गेम्स में भारत

की जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद दूसरी बार महीने के श्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता है। गिल को मिले इस नए अवॉर्ड ने उन्हें वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज के साथ खड़ा कर दिया है। मैथ्यूज ने भी पांच बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीता है। गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच में 110 रन बनाए थे, जबकि दूसरे मैच में 133 गेंदों पर शानदार 223 रनों की



पारी खेली थी। पुरस्कार जीतने के बाद गिल ने कहा, ‘अपना पांचवां आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं इस सम्मान के लिए पैन्ल का शुक्रगुजार हूं। इतने रन बनाना बहुत अच्छा लगा और अपने घरेलू फैस के सामने सफल रन चेज का हिस्सा बनना और भी खास था, जिनका सपोर्ट हमें हमेशा अतिरिक्त बूस्ट देता है। उन्होंने कहा, ‘वनडे क्रिकेट की गति काफी बढ़ गई है। आपको तुरंत सोचना होता है, कंडीशन का जल्दी से अंदाजा लगाना होता है और पिच और टारगेट की जरूरतों के हिसाब से खुद को ढालना होता है। अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले आईसीसी मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप के साथ, हम अपने स्तर को बेहतर करते रहने और आगे आने वाली चुनौतियों का सामना करने में सक्षम एक मजबूत और संतुलित टीम बनाने के लिए दृढ़ हैं। शेफाली वर्मा ने कहा, ‘आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड फिर से जीतना एक अविवशसनीय सम्मान है। एशिया कप और एशियन गेम्स में हमारी जीत में अपना रोल निभाना बहुत अच्छा लगा, और यह अवॉर्ड जीतने से ये जीत और भी खास हो गई हैं।

हरजिंदर कौर: कबड्डी छोड़ चुनी वेटलिफ्टिंग, कॉमनवेल्थ गेम्स में देश के लिए जीते पदक

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। भारतीय महिला वेटलिफ्टिंग में हरजिंदर कौर का नाम काफी लोकप्रिय है। हरजिंदर ने लगातार दो कॉमनवेल्थ गेम्स में देश के लिए पदक जीते हैं। हरजिंदर कौर का जन्म 14 अक्टूबर 1996 को पंजाब के पटियाला जिले में नाभा के पास मेहास में हुआ था। हरजिंदर का परिवार खेती से जुड़ा रहा है। शुरुआत में हरजिंदर कबड्डी खेला करती थीं और प्रशिक्षण के लिए प्रतिदिन 5 किलोमीटर साइकिल चलाकर सेंटर जाया करती थीं। परिवार की आर्थिक तंगी के कारण उन्हें प्रशिक्षण छोड़ना पड़ा। वेटलिफ्टिंग में हरजिंदर काफी देर से आईं। 2016 में पटियाला में पंजाबी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान उन्होंने वेटलिफ्टिंग शुरू की।



राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में दमदार प्रदर्शन के बाद हरजिंदर कौर को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। कौर ने 2021 में ताशकंद में आयोजित कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में महिलाओं की 71 किग्रा कैटेगरी में रजत पदक जीता था। इसके बाद 2022 में बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के 71 किग्रा इवेंट में उन्होंने कांस्य पदक जीता था। हरजिंदर ने हाल ही में ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2026

में 69 किग्रा भारवर्ग में रजत पदक जीता है। हरजिंदर एशियन गेम्स 2026 में भारतीय दल का हिस्सा थीं। कड़ी तैयारी के साथ जापान के आयची-नागोया पहुँची हरजिंदर पदक जीतने में सफल नहीं हो सकीं। 69 किग्रा भारवर्ग में वह नौवें स्थान पर रहीं। हरजिंदर ने पदक न जीत पाने पर अफसोस जताया था। एशियन गेम्स 2026 में वेटलिफ्टिंग में मीराबाई चानू ने गोल्ड मेडल जीता था। हरजिंदर मीराबाई चानू को बेहद पसंद करती हैं और उनके जैसी सफलता हासिल करने के उद्देश्य से आगे बढ़ रही हैं। पटियाला के एक गरीब परिवार से होने के बावजूद वेटलिफ्टिंग के क्षेत्र में हरजिंदर कौर ने जो सफलता हासिल की है, वह न सिर्फ महिलाओं के लिए बल्कि हर उस युवा के लिए प्रेरणादायी है, जो आर्थिक विपन्नता झेलते हुए जिंदगी में बड़े सपने देखता है और उन्हें हासिल करने के लिए कड़ा संघर्ष करता है।

धोनी में क्रिकेट बाकी-सीएसके सीईओ विश्वनाथन



विश्व केसरी ■ चेन्नई। आईपीएल की सफलतम फ्रेंचाइजी में से एक चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के सीईओ काशी विश्वनाथन का मानना है कि पूर्व कप्तान एमएस धोनी में अभी क्रिकेट बाकी है। वह टीम के लिए एक आखिरी सीजन खेलने की पूरी कोशिश करेंगे। धोनी इंजरी की वजह से आईपीएल 2026 में एक भी मैच नहीं खेल पाए थे। चेन्नई में मीडिया से बात करते हुए विश्वनाथन ने कहा कि धोनी अगले सीजन में खेलेंगे या नहीं, यह फैसला फ्रेंचाइजी ने पूरी तरह उन पर छोड़ दिया है। उन्होंने कहा, ‘यह एक ऐसा सवाल है जो आपको उनसे पूछना चाहिए। मुझे भी उनसे पूछना होगा। जब वह चेन्नई आते हैं तो वह हमें अपने फैसले के बारे में बताते हैं। मुझे लगता है कि उनके सीएसके के लिए खेलते रहने के चांस हैं। वह अभी भी एक खिलाड़ी हैं, आप जानते हैं।’ धोनी ने आईपीएल 2026 में एक भी मैच नहीं खेला था। वह 45 साल के हो चुके हैं। ऐसे में धोनी के आगामी सीजन में खेलने पर सवाल उठते रहते हैं। एमएस धोनी आईपीएल 2027 में सीएसके के लिए खेलेंगे या नहीं, इस पर टीम के पूर्व खिलाड़ी और दिग्गज बल्लेबाज सुरेश रैना ने कहा कि वह धोनी को एक और आईपीएल सीजन के लिए वापसी करते देखना चाहते हैं।

कोलकाता: रियल मैड्रिड और बार्सिलोना के लीजेंड्स के बीच होगा मुकाबला

विश्व केसरी ■ कोलकाता। फुटबॉल के दीवाने शहर कोलकाता के फैस को जल्द ही एक बड़ी सौगात मिलने वाली है। 25 नवंबर को विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में रियल मैड्रिड और बार्सिलोना के लीजेंड्स के बीच एक मुकाबला होने वाला है। इसकी घोषणा पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में करेंगे। दुनिया के दो सबसे बड़े फुटबॉल क्लबों के पुराने खिलाड़ियों के बीच प्रस्तावित इस मैच को लेकर कोलकाता के फुटबॉल फैस के बीच रोमांच है। दोनों टीमों की कोलकाता में बड़ी फैन फॉलोइंग है। जानकारी के मुताबिक, इस मैच में लुइस फिगो, स्पेन के पुराने गोलकीपर इकर कैसिलास और बार्सिलोना के महान खिलाड़ी कार्लस पुयोल के शामिल होने की उम्मीद है। फिलहाल इस मैच से जुड़े खिलाड़ियों और अन्य पहलुओं की जानकारी नहीं दी गई है। ब्राजील और उरुग्वे के साथ भारतीय फुटबॉल टीम के मैच हाल



ही में देखने वाले कोलकाता के फुटबॉल फैस के लिए रियल मैड्रिड और बार्सिलोना के लीजेंड्स के बीच का मैच देखना किसी सपने के सच होने जैसा है। यह मुकाबला इस खेल के सबसे बड़े मुकाबलों में से एक की पुरानी यादों और रोमांच के इर्द-गिर्द बना होगा। भारत ने पिछली बार 6 अप्रैल, 2025 को नवी मुंबई के डीवाई

पाटिल स्टेडियम में लीजेंड्स के एल क्लासिको की मेजबानी की थी। रियल मैड्रिड लीजेंड्स ने 2-0 से जीत हासिल की, जिसमें फर्नांडो मोरिएंटस और डेविड बैरल ने गोल किए। इस मुकाबले में मैड्रिड के लिए फिगो, माइकल ओवेन और पेपे जैसे कई जाने-माने नाम शामिल थे, जबकि बार्सिलोना के लिए जावी हर्नांडेज, रिवाल्डो और

जोश हेजलवुड के आगे साउथ अफ्रीका के बल्लेबाजों का ‘सरेंडर’, ऑस्ट्रेलिया ने 214 रनों से जीता पहला टेस्ट

विश्व केसरी ■ डरबन। ऑस्ट्रेलिया ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए साउथ अफ्रीका को पहले टेस्ट मैच में 214 रनों से हराया। डरबन के किंग्समीड मैदान पर खेले गए मुकाबले में 421 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका की पूरी टीम दूसरी पारी में 206 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टेस्ट के पांचवें दिन 102/4 के स्कोर से आगे खेलते हुए साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज स्कोरकार्ड में 104 रन जोड़कर आउट हुए। टीम की तरफ से सबसे ज्यादा 75 रन एडेन मार्करम ने बनाए, जबकि डेविड बेडिंगहैम ने 46 रनों का योगदान दिया। रयान रिक्लेटन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ 2 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान टेंबा बावुमा को मैट रेनशां ने सिर्फ एक रन के स्कोर पर पवेलियन भेजा। वहीं, स्ट्रिउन स्टब्स भी एक रन ही बना सके। वियान मुल्डर ने शुरुआत अच्छी की, लेकिन वह 29 रन बनाने के बाद जोश हेजलवुड की गेंद पर एलेक्स कैरी को कैच देकर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में मैट रेनशां द्वारा खेली गई 190 रनों की लाजवाब पारी के बूते 390 रन बनाए, जिसके जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम 284 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलिया ने इस तरह पहली पारी के आधार पर 106 रनों की बढ़त हासिल की।

‘पहले से ज्यादा मोटिवेटेड महसूस कर रहा हूं’, सफल सर्जरी के बाद बोले जोस बटलर



विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर ने सर्जरी के बाद कहा है कि वह फिट होने के लिए पहले से कहीं ज्यादा मोटिवेटेड हैं। बटलर को पिछले महीने श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में बटलर ने सर्जरी के बाद कहा है कि वह फिट होने के लिए पहले

से कहीं ज्यादा मोटिवेटेड हैं। बटलर ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में बताया, ‘मेरा ऑपरेशन ठीक हो रहा है। सर्जरी सफल रही और मैं ठीक हो रहा हूं। पहले से कहीं ज्यादा मोटिवेटेड महसूस कर रहा

हूं। दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज ने हॉस्पिटल के बेड पर थम्स अप करते हुए अपनी एक तस्वीर भी साझा की है। तस्वीर में उनके बाएं पैर में ब्रेस लगा है। सर्जरी के बावजूद उनकी चोट चिंता की वजह बनी हुई है। बटलर हाल के सालों में कई सांप्ट-टिशू इंजरी से परेशान रहे हैं। ये ज्यादातर काफ की इंजरी रही हैं। आईपीएल 2024 के दौरान भी उन्हें लेफ्ट-हैमस्ट्रिंग की परेशानी हुई थी। इंजरी की वजह से बटलर का मौजूदा सीजन समय से पहले ही समाप्त हो गया। वह मैदान पर कब लौटेंगे, इसका कोई निश्चित समय नहीं बताया गया है। इंजरी की वजह से बटलर पाकिस्तान में होने वाली त्रिकोणीय सीरीज से बाहर हैं। वह हमारी योजना में हैं। अगर वे इसका हिस्सा नहीं होते, तो हम तब से उनके साथ नहीं खेल रहे होते। वे इंग्लैंड के लिए खेलने के लिए बेताब हैं।

बीसीसीआई ने अरुणाचल की टीमों के लिए सेलेक्शन ट्रायल शुरू किया

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अरुणाचल प्रदेश की अलग-अलग पुरुष और महिला आयु-समूहों और सीनियर टीमों के लिए सेलेक्शन ट्रायल कर रहा है ताकि वे मौजूदा घरेलू सीजन में दौड़ में बनी रहें। यह कदम तब उठाया गया जब अरुणाचल प्रदेश ने अहमदाबाद में नागालैंड के खिलाफ अपना पहला रणजी ट्रॉफी मैच छोड़ दिया, साथ ही इससे पहले वीनू मांकड़ ट्रॉफी और अंडर-19 महिला टी20 ट्रॉफी में भी हिस्सा नहीं लिया था। इसकी वजह गुवाहाटी हाई कोर्ट की ईटानगर बेंच में अरुणाचल क्रिकेट एसोसिएशन (एसोए) के दो गुटों के बीच कानूनी अड़चन थी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैंकिया ने मंगलवार को आईएनएस को बताया कि अरुणाचल प्रदेश में ट्रायल्स चल रहे हैं। एपेक्स काउंसिल के सदस्य एम. खैरल जमाल मजूमदार को ट्रायल्स कराने के लिए संयोजक नियुक्त किया गया है। हम



इस सीजन के घरेलू मुकाबलों में हिस्सा लिए बिना टीमों को बाहर नहीं रहने दे सकते। उन्होंने कहा, ‘अरुणाचल में राज्य के बाहर के कुछ स्वतंत्र सिलेक्टेड्स के साथ ट्रायल्स चल रहे हैं। एसोसिएशन इन ट्रायल्स में शामिल नहीं है, क्योंकि बीसीसीआई सीधे ट्रायल्स करा रहा है और हम अरुणाचल की टीमों को रणजी ट्रॉफी और दूसरे ट्रॉफियों में भेजने की कोशिश कर रहे हैं, जो आने वाले दिनों में होने वाले हैं। असम के ईडिपेंडेंट सिलेक्टेड्स के एक पैन्ल को, जिसमें पूर्व खिलाड़ी सत्य गोपाल चक्रवर्ती, जयंत चौधरी और दीप बोरा शामिल हैं, ट्रायल्स कराने और यह पक्का करने का काम सौंपा गया है कि रणजी ट्रॉफी, कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी, सीनियर महिला ज़ू20 ट्रॉफी और विजय मर्चेंट ट्रॉफी सिलेक्टेड्स के चेयरमैन हैं। अरुणाचल प्रदेश के एक स्थानीय सोर्स ने आईएनएस को इटानगर में चल रहे सिलेक्शन ट्रायल्स के बारे में कन्फर्म किया।

यूपीआई एमडीआर को टालना व्यापारियों की चिंताओं के प्रति सरकार की संवेदनशीलता को दिखाता है: कैट



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (कैट) ने मंगलवार को चुनिंदा यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ट्रांज़ैक्शन पर प्रस्तावित मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) को टालने के सरकार के फैसले का स्वागत किया।

मैं डिजिटल पेमेंट के लगातार बढ़ते ट्रेंड को प्रोत्साहन मिलेगा। कैट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह फैसला सही समय पर लिया गया है, क्योंकि त्योहारी और शादियों के सीजन में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की बिक्री उच्चतम स्तर पर होती है। व्यापारी संगठन ने कहा, 'यह फैसला सही समय पर और

व्यावहारिक है, खासकर त्योहारों और शादियों के अहम सीजन के दौरान, जब लाखों व्यापारी और एमएसएमई ज्यादा कारोबार करते हैं।' कैट के मुताबिक, यूपीआई एमडीआर को टालने से व्यापारियों को ट्रांज़ैक्शन की अतिरिक्त लागत से बचने में मदद मिलेगी, जो कम मार्जिन पर काम करने वाले व्यवसायों पर बोझ डाल सकती थी।

व्यापारियों के संगठन ने आगे कहा, 'ट्रांज़ैक्शन की अतिरिक्त लागत कम मार्जिन पर काम करने वाले व्यापारियों पर एक अनावश्यक बोझ डाल सकती थी और डिजिटल पेमेंट को बड़े पैमाने पर अपनाने में बाधा डाल सकती थी। यह घटनाक्रम, कैट के सेक्रेटरी जनरल प्रवीण खंडेलवाल की अगुवाई में लगभग 20 व्यापारिक नेताओं के एक

प्रतिनिधिमंडल की 30 सितंबर को नई दिल्ली के कर्तव्य भवन में वित्त मंत्री के साथ हुई मुलाकात के कुछ हफ्तों बाद सामने आया है। कैट ने कहा कि वह देश भर के व्यापार संघों के साथ भी तालमेल बिठा रहा था ताकि यह पक्का किया जा सके कि व्यापारियों की चिंताएं सरकार तक असरदार ढंग से पहुंचाई जा सकें। इस फैसले पर खंडेलवाल ने कहा कि कैट डिजिटल पेमेंट का पूरा समर्थन करता है, लेकिन उसका मानना ​​? है कि यह सिस्टम व्यापारियों, खासकर छोटे व्यवसायों के लिए सस्ता और टिकाऊ बना रहना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'हम व्यापारियों की चिंताओं को समझने और सकारात्मक फैसला लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का तहे दिल से शुक्रिया अदा करते हैं।' कैट डिजिटल पेमेंट का समर्थन करता है, लेकिन यह सिस्टम व्यापारियों, खासकर छोटे व्यवसायों के लिए सस्ता और टिकाऊ बना रहना चाहिए।

खंडेलवाल ने कहा, 'इस टालने के फैसले से व्यापारियों का भरोसा बढ़ेगा और एक मजबूत डिजिटल इंडिया बनाने में व्यापारिक समुदाय के साथ सरकार की साझेदारी और मजबूत होगी।

रोजाना 5 मिनट करें सेतुबंधासन, दूर होगी कब्ज की समस्या और मजबूत होगी रीढ़ की हड्डी



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। आजकल की व्यस्त दिनचर्या और दफ्तर में घंटों में बैठे रहने से कमर दर्द, तनाव और थकान होना आम समस्या बन गई है। ऐसे में सेतुबंधासन को अपनी दिनचर्या में शामिल करने से शरीर को कई तरह के लाभ मिल सकते हैं। इसके नियमित अभ्यास करने से रीढ़ की हड्डी लचीली रहती है और शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है। सेतुबंधासन दो शब्दों से मिलकर बना है - 'सेतु' मतलब पुल और 'बंध' मतलब बांधना। इस आसन को करने के दौरान शरीर की आकृति पुल जैसी बनती है, इसलिए इसे सेतुबंधासन या ब्रिज पोज कहा जाता है। यह आसन दिखने में जितना आसान लगता है, फायदे में भी उतने

ही कारगर होते हैं। यह न सिर्फ रीढ़ की हड्डी को लचीला और मजबूत बनाता है बल्कि दिल को स्वस्थ रखने, पाचन सुधारने और मन को शांत रखने में भी मदद करता है। आयुष्य मंत्रालय के अनुसार, सेतुबंधासन पीठ के बल लेटकर की जाने वाली मुद्राओं में से एक मुख्य आसन है। यह आसन शारीरिक मजबूती और मानसिक शांति दोनों के लिए बेहद प्रभावी माना गया है। रोजाना इसका अभ्यास करने से रीढ़ की हड्डी लचीली बनती है और शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है। सेतुबंधासन पेट के अंगों में खिंचाव लाता है, जिससे पाचन क्रिया दुरुस्त होती है और कब्ज की समस्या से राहत मिलती है। साथ ही, यह रीढ़ की हड्डी के लिए भी लाभकारी है।

इस आसन में जब आप पीठ को ऊपर की तरफ उठाते हैं, तो रीढ़ की हड्डी में धीरे-धीरे खिंचाव आता है। रोजाना अभ्यास करने से रीढ़ की हड्डी लचीली और मजबूत बनती है। इससे कमर दर्द, पीठ दर्द और गर्दन के अकड़न में बहुत आराम मिलता है। जो लोग घंटों बैठकर काम करते हैं, उनके लिए यह आसन वरदान जैसा है। सेतुबंधासन महिलाओं में हार्मोन्स के संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है। यह थायरॉयड ग्रंथि और पेल्विक क्षेत्र में रक्त संचार को बेहतर करता है। इससे पीरियड्स से जुड़ी समस्याओं, मूड स्विंग्स और मेनोपॉज के दौरान होने वाली परेशानियों में राहत मिलती है। साथ ही, यह तनाव को कम करके मन को शांत भी रखता है।

हर रोज करें उत्थित पार्श्वकोणासन, पैरों और पेट की मांसपेशियों को मिलेगी मजबूती

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। योग पद्धति में ऐसे कई आसन हैं, जो शरीर को मजबूत बनाने के साथ-साथ लचीलापन और संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं। 'उत्थित पार्श्वकोणासन' भी ऐसा ही एक योगासन है, जो शरीर के निचले हिस्से को मजबूत करने और पार्श्व अंगों में खिंचाव लाने के लिए किया जाता है। 'उत्थित पार्श्वकोणासन' को 'एक्सटेंडेड साइड एंगल पोज' भी कहा जाता है। इस आसन में एक हाथ जमीन पर और दूसरा हाथ फिर के ऊपर तिरछा उठाकर शरीर को एक सीधी रेखा में खींचा जाता है। इसके अभ्यास से पैरों, जांघों, कूल्हों और पेट की मांसपेशियों को मजबूत रहती है, जिससे पाचन क्रिया बेहतर रहती है और रीढ़ की



हड्डी में लचीलापन आता है। आयुष्य मंत्रालय ने इसको करने के फायदे पर अहम प्रकाश डाला है। 'उत्थित पार्श्वकोणासन' एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ विस्तारित 'पार्श्व कोण मुद्रा' है।

यह खड़े होकर किया जाने वाला योगासन है, जो पेट के अंगों की मालिश करता है, पाचन में सुधार लाता है और पैरों व रीढ़ को मजबूत करता है। इसके अलावा, शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है और रीढ़

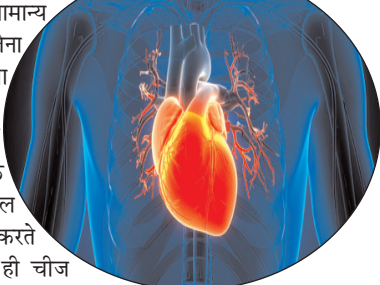
की हड्डी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वहाँ, इससे दिमाग को शांति भी मिलती है और मानसिक तनाव से भी दूरी बनी रहती है। नियमित अभ्यास से शरीर का संतुलन, ध्यान और सहनशक्ति भी बढ़ती है। इसे करना बेहद आसान है। इसके लिए सबसे पहले योगा मैट पर दोनों पैरों को एक दूसरे से दूर फैला लें। अब दाहिने पैर के पंजे को बाहर की तरफ घुटने से धीरे-धीरे मोड़ें और उसी मुद्रा में नीचे की ओर बैठें। फिर अपने दाएं हाथ को दाएं पैर के पास जमीन पर रखें और बाएं हाथ को ऊपर की ओर सीधा बाएं हाथ को ऊपर की ओर सीधा 90 डिग्री के एंगल में रखने की कोशिश करें। कुछ देर इसी मुद्रा में रहने की कोशिश करें, फिर धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं।

हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट क्या अंतर है? जानिए इसके लक्षण और तुरंत बचाव के उपाय

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। कभी-कभी हार्ट अटैक के शुरुआती लक्षणों पर ध्यान न देना आसान होता है, खासकर तब जब लक्षण धीरे-धीरे शुरू हों या आते-जाते रहें। नए या असामान्य लक्षणों को गंभीरता से लेना और जल्द मदद लेना जरूरी हो सकता है। लोग अक्सर हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट शब्दों का इस्तेमाल एक-दूसरे की जगह पर करते हैं, लेकिन ये दोनों एक ही चीज नहीं हैं। ज्यादातर हार्ट अटैक से कार्डियक अरेस्ट नहीं होता है। लेकिन जब कार्डियक अरेस्ट होता है, तो हार्ट अटैक इसका एक आम

कारण होता है। दूसरी समस्याओं की वजह से भी दिल धड़कना बंद कर सकता है।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक,



कार्डियक अरेस्ट में दिल अचानक धड़कना बंद कर देता है। ऐसा आमतौर पर किसी इलेक्ट्रिकल समस्या के कारण होता

है जिससे दिल की धड़कन अनियमित हो जाती है। जब दिल पंप करना बंद कर देता है, तो वह दिमाग, फेफड़ों और शरीर के अन्य जरूरी अंगों तक खून नहीं पहुंचा पाता। कार्डियक अरेस्ट होने पर व्यक्ति कोई प्रतिक्रिया नहीं देता। हो सकता है कि उनकी सांस रुक जाए या वे सिर्फ हाँफने लगें। अगर उन्हें तुरंत मदद न मिले, तो उनकी मौत हो सकती है।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन ने बताया कि अगर किसी को

कार्डियक अरेस्ट हो जाए, तो तुरंत सीपीआर देने से उनके बचने की संभावना दोगुनी या तिगुनी हो सकती है। सबसे पहले, स्थानीय इमरजेंसी नंबर पर कॉल करें। फिर सीपीआर शुरू करें। अगर आस-पास ऑटोमेटेड एक्सटर्नल डिफिब्रिलेटर (एईडी) है, तो जितनी जल्दी हो सके उसका इस्तेमाल करें। अगर दो लोग मदद कर रहे हैं, तो एक को सीपीआर शुरू करना चाहिए। दूसरे को इमरजेंसी कॉल करना चाहिए और एईडी ढूंढना चाहिए।

DR. PRAJWAL SONI
M.B.B.S., M.D.
Obstetrics & Gynaecologist
colposcopist
Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist

Mo. 9827189170
9200668168

Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home

❖ Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.)
❖ Amapara, Pitalband Road, Rajim, Gariyaband (C.G.)
✉ drprajwalsoni@gmail.com

📞 911677722
📞 7509007388

नवरात्र स्पेशल: मां चंद्रघंटा से जुड़ा है ये चमत्कारी औषधीय पौधा, देता है बल और ऊर्जा

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। नवरात्र के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना की जाती है। तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा का विधान है। मां चंद्रघंटा को साहस, शांति और शक्ति का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के साथ-साथ आयुर्वेद में भी नवरात्र के नौ दिनों का विशेष महत्व बताया गया है। पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार, मां चंद्रघंटा का संबंध चन्द्रसूर (हलीम) नामक औषधीय पौधे से जोड़ा जाता है। इसका वैज्ञानिक नाम लेपिडियम सैटिवम है। आयुर्वेद में चन्द्रसूर को

पौष्टिक और बलवर्धक माना गया है। पारंपरिक रूप से इसका इस्तेमाल शरीर को पोषण देने और कुछ स्वास्थ्य समस्याओं में सहायक औषधि के रूप में किया जाता रहा है। आयुर्वेदिक ग्रंथों में भी इसके गुणों का उल्लेख मिलता है।

हड्डियों और जोड़ों के लिए लाभकारी: चन्द्रसूर में कैल्शियम, आयरन और प्रोटीन प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। यह हड्डियों को मजबूती प्रदान करने, जोड़ों के दर्द और वात विकारों को दूर करने में अत्यंत सहायक है। वृद्धावस्था में हड्डियों की कमजोरी और गठिया

जैसी समस्याओं में इसका प्रयोग लाभदायक माना जाता है। शारीरिक शक्ति और ऊर्जा में वृद्धि: यह शरीर की कमजोरी को दूर कर तुरंत

ऊर्जा प्रदान करता है। बढ़ती उम्र के किशोरों में इसके सेवन से लंबाई बढ़ाने और शारीरिक विकास में सहायता मिलती है।

शादी से पहले या शादी के बाद निराश व्यक्ति अवश्य मिले छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त डॉ. सागर

छत्तीसगढ़ के न.01 सेक्सोलॉजिस्ट
जब कभी न हो फायदा तो एक बार जरूर मिले

डॉ. सागर
मेन ब्रांच : सारलैम स्कूल के सामने, मोतीबाग चौक रायपुर (छ.ग.)

जिम्पपतन
रखनदोष
निःसंतान

BEST AYURVEDIC CHIKITSAK AWARD 2023
📞 8109 126351 📞 9425257615

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी

Diwali Special Offer
पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आटा चक्की, ट्रांली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टैंकर, बेटरी स्पेयर, स्पेयर

निर्माण कार्य **कृषि कार्य** **ग्रामीण क्षेत्र** **उद्योग एवं प्रोसेसिंग**
सिंचाई एवं बागवानी **किसानों हेतु उपयुक्त**

निर्माता व विक्रेता :
वीनस मशीनरी
एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजू में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)
फ़ोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000

विश्व भर में उपलब्ध
पुराना एसी लार्डये, नया ले जाईये
बजाज फ़र्निचर की सुविधा उपलब्ध

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक
एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी

सस्ते दामों में उपलब्ध
गोंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS
GST फाइल बनवाएं मात्र 500/-
25 वर्ष का अनुभव

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।
संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants
C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर
Whatsapp पर बनवाएं 9300755544, 8878655544

Discover the new meaning of pleasure
Noorjaha Prime
DINING ■ BUFFET ■ ROOFTOP ■ LIVE BARBEQUE KITCHEN

City Kotwali Road, Baijnathpara. Raipur.
📞 83700 09993

:H.O.:
Madarsa Road Baijnathpara, Raipur.
Mobile: 83700 09994
:OUTLETS:
Marine Drive, Telibandha, Raipur
Mo: 83570 09997

दिल्ली में प्रदूषण पर लगाम लगाने का प्लान, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आईसीसीसी का किया निरीक्षण

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने और प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए दिल्ली सरकार ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव, केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा और दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने प्रदूषण की निगरानी, रियल-टाइम मॉनिटरिंग और वायु गुणवत्ता से जुड़े आंकड़ों की सटीकता बढ़ाना है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ पांच सार्वजनिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशनों की शुरुआत की। इसके अलावा, 13 नए कंटीन्यूअस एंजिंट एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशनों का उद्घाटन भी किया गया। सरकार का उद्देश्य प्रदूषण की निगरानी व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना और वायु गुणवत्ता से जुड़े आंकड़ों की सटीकता बढ़ाना है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के सहयोग से दिल्ली सरकार प्रदूषण के खिलाफ लगातार काम कर रही है। केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में दिल्ली अब इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से रियल-टाइम मॉनिटरिंग की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यह दिल्ली के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से प्रदूषण से संबंधित परिस्थितियों पर लगातार नजर रखने और आवश्यक कदम उठाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने इसे प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों में एक अहम उपलब्धि बताया।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की एक बैठक में दिल्ली सरकार की ओर से इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का प्रस्ताव रखा गया था। उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को निर्धारित समय-सीमा से पहले इस केंद्र को शुरू करने के लिए बधाई दी।

यादव ने कहा कि दिल्ली और पूरे एनसीआर में प्रदूषण से निपटने के लिए सबसे पहली आवश्यकता वायु गुणवत्ता सूचकांक की सटीक जानकारी हासिल करना है। इसके

लिए एनसीआर के अधिकारियों को पांच किलोमीटर के अंतराल पर वायु गुणवत्ता सूचकांक मॉनिटरिंग उपकरण लगाने के निर्देश दिए गए थे, ताकि वायु गुणवत्ता की अधिक सटीक जानकारी मिल सके।

उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली में वायु प्रदूषण के संकट से निपटने के लिए सभी लोगों को जिम्मेदारी के साथ काम करना होगा। सरकार ने इस दिशा में अभियान शुरू किया है और नागरिकों से सहयोग की अपील की है।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि एसआईआर कोई नई प्रक्रिया नहीं है, बल्कि निर्वाचन आयोग व्यापक दिशानिर्देशों के तहत इसे संचालित करता है। उन्होंने विषय पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में हार के बाद विपक्षी नेताओं ने मतदाता सूची से गलत नाम हटाने की मांग की थी, लेकिन अब सूची में सुधार की प्रक्रिया पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

सेमीकंडक्टर व अगली पीढ़ी की चिप पर डीआरडीओ के विशेषज्ञ करेंगे मंथन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। देश में 'सेमीकंडक्टर और अगली पीढ़ी की चिप' जैसे महत्वपूर्ण विषय पर विशेष सत्र आयोजित किया जा रहा है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) इसका नेतृत्व करेगा। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 27 से 29 अक्टूबर तक होने वाले इस सत्र में स्वदेशी चिप विकास, एआई आधारित तकनीक और रक्षा क्षेत्र में सेमीकंडक्टर के बढ़ते महत्व पर चर्चा होगी।

इस सम्मेलन का आयोजन भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के मार्गदर्शन में 12 विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। डीआरडीओ के इस सत्र में उद्योग जगत, शिक्षण संस्थानों, प्रयोगशालाओं द्वारा विकसित कई स्वदेशी तकनीकों और उपकरणों को प्रदर्शित किया जाएगा। इनमें उन्नत संचार प्रणालियां, क्वांटम तकनीक के नमूने, अत्यधिक ठंड में उपयोग होने वाले विशेष वस्त्र, महिलाओं के पूरे शरीर की सुरक्षा के लिए बना 'प्रबलता' सुरक्षा कवच, पोर्टेबल संकर ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली, उच्च शक्ति वाले स्प्रिंट लेजर डायोड और स्क्रीमजेट इंजन तकनीक शामिल हैं।

इन प्रदर्शनों के जरिए रक्षा अनुसंधान में स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करने और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के प्रयासों को सामने रखा जाएगा। प्रदर्शनी का उद्देश्य उद्योगों, शिक्षण संस्थानों, नवउद्यमों और अनुसंधान संगठनों के बीच सहयोग बढ़ाना तथा आम लोगों को देश की वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धियों से परिचित कराना भी है।

पंजाब में नशे के कारोबार पर राघव चड्ढा ने मान सरकार को घेरा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भाजपा के सांसद राघव चड्ढा ने पंजाब में नशे के कारोबार और नशा विरोधी कार्यकर्ता परजिंदर सिंह झोटा की हत्या को लेकर राज्य की भगवंत मान सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और नशे के खिलाफ आवाज उठाने वालों को भी निशाना बनाया जा रहा है।

राघव चड्ढा ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर एक पोस्ट में दावा किया कि पंजाब अब 'नशा बेचने में आसानी के

पाकिस्तानी हैंडलर्स के खिलाफ 4 से ज्यादा एफआईआर दर्ज

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की आईएफएसओ (इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रेटेजिक ऑपरेशंस) यूनिट ने झूठे नैरेटिव फैलाने और देश का माहौल खराब करने वाले सोशल मीडिया हैंडलर्स के खिलाफ 4 से ज्यादा एफआईआर दर्ज की हैं।

पुलिस के अनुसार, सोशल मीडिया के जरिए सीमा पार से भारत विरोधी माहौल फैलाया जा रहा है। कई पाकिस्तानी सोशल मीडिया हैंडलर्स के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनकी आईडी को एक्टिव करवाया गया है। सूत्रों के मुताबिक, 10 अक्टूबर को पाकिस्तान के कई सोशल मीडिया हैंडलर्स से प्रदर्शन में कई लोगों की मौत की झूठी खबर पोस्ट की गई थी। पाकिस्तान में बैठे लोग भारतीय

ग्रामीण उद्यमिता को मजबूत करने 6 लाख ग्रामीण युवाओं को दी जाएंगी ट्रेनिंग

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से 'ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों' में ट्रेनिंग के स्टैंडर्ड, संस्थागत क्षमता, सेटलमेंट, क्रेडिट लिंकेज और मॉनिटरिंग को मजबूत करने के लिए 'नेशनल एकेडमी ऑफ ग्रामीण विकास और स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान' (एनएआर) के साथ एमओयू पर साइन किया गया है।

ग्रामीण उद्यमिता को मजबूत करने और स्थिर आजीविका के सौकों को बढ़ावा देने की दिशा में यह कदम उठाया गया है। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने 'नेशनल एकेडमी ऑफ ग्रामीण विकास आरयूडीएसईटीआई' (एनएआर) के साथ एक समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया। इसका उद्देश्य देश भर के 'ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों' में ट्रेनिंग के एक जैसे स्टैंडर्ड तय करना, क्वालिटी एडमिनिस्ट्रेशन सुनिश्चित करना और व्यवस्थित रूप से क्षमता निर्माण में मदद करना है। यह एमओयू ग्रामीण विकास मंत्रालय के ग्रामीण

सुप्रीम कोर्ट भर्ती 2026: सीनियर पर्सनल असिस्टेंट के 65 पदों पर निकली वैकेंसी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत के सर्वोच्च न्यायालय (एससीआई) में नौकरी करने की इच्छा रखने वालों के लिए एक शानदार मौका सामने आया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने सीधी भर्ती अभियान के तहत सीनियर पर्सनल असिस्टेंट (युप 'बी' नॉन-गजेटेड पद) की कुल 65 संभावित रिक्तियों को भरने के लिए उम्मीदवारों से अवेदन एक आधिकारिक अधिसूचना जारी करके आमंत्रित किए हैं।

सीनियर पर्सनल असिस्टेंट के 65 पदों के लिए ऑनलाइन उम्मीदवार इस पोस्ट पर नियुक्त होने के लिए एप्लीकेशन फॉर्म भरना चाहते हैं, वे सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर 10 नवंबर तक तय की गई है। अवेदन लिंक सक्रिय होने के

दिल्ली के एलजी टीएस संधू ने विश्वविद्यालयों को दिया सुझाव, बेहतर नतीजों के लिए पीपीपी मॉडल अपनाएं

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल टीएस संधू ने मंगलवार को बेहतर नतीजे पाने के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों और निजी क्षेत्र के बीच तालमेल बिठाने का आह्वान किया।

एलजी संधू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, 'मैंने जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी, द्वारका में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के इस्तेमाल पर कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम को संबोधित किया और स्टूडेंट्स व फैकल्टी से बातचीत की। पीपीपी का मतलब सिर्फ

नाइट क्लब में युवक की हत्या, महिला सहित पांच आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। नाइट क्लब में एक महिला पर बीघर गिरने के बाद शुरू हुई कहासुनी में 29 वर्षीय युवक दलजीत की कथित तौर पर बाउंसरों और क्लब के कर्मचारियों ने बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मामले में कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया है और बाकी आरोप हैं कि विवाद बढ़ने पर क्लब के बाउंसरों ने दलजीत और उसके दोस्तों के साथ मारपीट शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि दोस्तों की ओर से माफी मांगने के बावजूद मारपीट नहीं रुकी। आरोप है कि मुताबिक, शनिवार देर रात दलजीत